हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 115, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 23 अक्टूबर, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी परिवहन निगम प्रदेश के अंदर परिवहन की रीढ़ माना जाता है : योगी

मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर 51 बसों को रवाना किया, चालक-परिचालक महिलाएं होंगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी परिवहन निगम प्रदेश के अंदर परिवहन की रीढ़ माना जाता है। देश 15 अगस्त 1947 को आजाद होता है लेकिन निगम की पहली बस मई 1947 में चल चुकी थी। तबसे परिवहन निगम ने लंबी दूरी को तय की है। बचपन में परिवहन का एकमात्र साधन यूपी परिवहन निगम हुआ करता था। गांव हो या शहर, लोग बसों से चलते थे। ज्यादातर लोगों ने परिवहन निगम की बसों में आवागमन कर बचपन व्यतीत किया। यह हमें जोड़ने का काम करती रही।

अब परिवहन निगम नई प्रगति व कार्य करते हुए बढ़ रहा है। अब बस स्टेशन भी एयरपोर्ट की तरह बनेंगे। इस पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति अभियान के तहत रविवार को अयोध्या के सरयू अतिथि गृह, रामकथा पार्क में 'मिशन महिला सारथी' का शुभारंभ किया और हरी झंडी दिखाकर 51 साधारण बसों (बीएस 6) को रवाना किया। इन बसों में चालक व परिचालक का कार्य महिलाओं द्वारा ही संचालित किया जाएगा। इस दौरान लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। सीएम ने कहा कि शारदीय नवरात्रि की आज अष्टमी तिथि है। आठवें रूप में आज मां गौरी का अनुष्ठान कर रहे हैं। माना जाता था कि महिलाएं यह काम नहीं कर सकतीं पर इससे उपयुक्त अवसर नहीं हो सकता, जब महाअष्टमी की तिथि को मिशन शक्ति के साथ जोड़कर मिशन महिला सारथी को लांच करने के साथ-साथ उन महिला चालक व परिचालकों को इससे जोड़ा जा रहा है। आज 51 बसें प्रदेश के अलग-अलग जगहों के लिए चलेगी, इनमें चालक व परिचालक महिलाएं होंगी। सीएम ने कहा कि पहले बसों में खामियां होती थीं। अब धीरे-धीरे तकनीक का प्रयोग किया गया। अब वह डीजल से इलेक्ट्रिक बसों की तरफ भी जा रही है। परिवहन निगम व अनुबंध में भी बहुत बड़ा बेड़ा इलेक्ट्रिक बसों का होगा। इसमें न प्रदूषण होगा, न आवाज और स्पीड भी सामान्य बसों से अच्छी होगी। हमने शासन से 400 करोड़ रुपये दिया है। 25 महाकुंभ की दृष्टि से अभी कई बसें खरीदी जानी हैं। अच्छी इलेक्ट्रिक बसें आएंगी। अच्छी कनेक्टिविटी के लिए यूपी सरकार ने ईवी पॉलिसी बनाई है। इलेक्ट्रिक बसों में डीजल-पेट्रोल व सीएनजी नहीं लगता। बिजली से चार्ज होंगी। एक बार में 300 किमी. चल सकती हैं। ऐसी बसें खरीदने वाले व्यक्ति को सरकार प्रति बस के लिए 20 लाख रुपये इंसेंटिव देगी। स्कूल-कॉलेज, परिवहन निगम में अनुबंध, सिटी बस सेवा के लिए आप बस खरीदिए, सरकार रूट व सुविधा भी उपलब्ध कराएगी। नगर विकास व परिवहन निगम जगह-जगह चार्जिंग स्टेशन तैयार कर रहा है। इससे हम प्रदूषण से मुक्त व्यवस्था आमजन को दे पाएंगे। सीएम ने कहा कि कुछ दिनों बाद यूपी में इलेक्ट्रिक बसों का निर्माण शुरू होगा, तब यूपी के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण होगा।

गाजा पर हमले के विरोध में भारतीय कंपनी, इस्राइल पुलिस की वर्दी सप्लाई करने से किया मना

तिरुवनंतपुरम। केरल के कन्नूर में एक निजी कंपनी द्वारा इस्राइली पुलिस को वर्दी की सप्लाई की जा रही है। हाल ही में यह कंपनी खूब चर्चा में थी लेकिन अब कंपनी की तरफ से एलान किया गया है कि वह गाजा पर हमले के विरोध में इस्राइली पुलिस को वर्दी की सप्लाई नहीं करेंगे। कंपनी ने कहा है कि जो मौजूदा ऑर्डर है, उसकी सप्लाई की जाएगी लेकिन कंपनी इस्राइल से नया ऑर्डर तब तक नहीं लेगी, जब तक इस्राइल, गाजा पट्टी पर हमले नहीं रोक देता। कन्नूर स्थित मरयम अपेरल प्राइवेट लिमिटेड के मालिक थॉमस ओलिकल ने बयान जारी कर कहा कि उनकी कंपनी ने फैसला किया है कि जब तक इस्राइल, गाजा पट्टी पर हमले बंद नहीं कर देता, तब तक कंपनी इस्राइली पुलिस की वर्दी का कोई नया ऑर्डर नहीं लेगी। ओलिकल ने कहा कि हाल ही में गाजा के अस्पताल पर हुए हमले के बाद उन्होंने ये फैसला किया है। मरयम अपेरल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बीते आठ सालों से इस्राइली पुलिस की वर्दी की हल्के नीले रंग की शर्ट की सप्लाई की जा रही थी। एक वीडियो संदेश में थॉमस ओलिकल ने कहा कि 'हम साल 2015 से इस्राइली पुलिस के लिए वर्दी बना रहे हैं।

भाजपा को मजबूत करने में शाह की भूमिका सराहनीय 'चाणक्य' के 59वें जन्मदिन पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री आज अपना 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। इस दौरान पीएम मोदी ने उनके काम की तारीफ भी की। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर कहा कि अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं। वह भारत की प्रगति और गरीबों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने को लेकर बेहद गंभीर हैं। उन्होंने एक उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है और भारत के सुरक्षा तंत्र को बढ़ाने और सहकारी क्षेत्र को और विकसित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। भाजपा को मजबूत करने में उनकी भूमिका सराहनीय है। उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य नेताओं ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की बधाई दी।

राजनाथ सिंह ने दी जन्मदिन की बधाई- राजनाथ सिंह ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं। भारत की आंतरिक सुरक्षा को चाक चौबंद रखने में वे बड़ी प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। अपने परिश्रम, दृढ़ता और इच्छाशक्ति के बल पर वे देश और समाज की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें और दीर्घायु करें।

'हम सभी भाजपा कार्यकताओं की प्रेरणा है उनका समर्पण'- वहीं, जेपी नड्डा ने अमित शाह को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि देश के लिए आपका समर्पण, कर्मठता व संगठन कुशलता हम सभी भाजपा कार्यकताओं की प्रेरणा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपका अतुल्य मार्गदर्शन सदैव हमारे संगठन को मजबूती प्रदान करता रहेगा। आप स्वस्थ और दीर्घायु रहें, ईश्वर से यही कामना करता हूं।

सीएम योगी ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं- वहीं, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी अमित शाह को 59वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अनुशासन, कर्मठता व सांगठनिक कौशल के आदर्श प्रतिमान, लोकप्रिय जननेता, देश की आंतरिक सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढ़ करने में सतत रत, सहकार से समृद्धि भाव को निरंतर चरितार्थ कर रहे माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। भगवान श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना है। बता दें कि 1964 में मुंबई में जन्मे अमित शाह अपने शुरूआती दिनों से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। इसके बाद अमित शाह ने गुजरात की राजनीति में बीजेपी के लिए काफी काम किया। वह गुजरात सरकार में गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

एलएसी पर चीन ने बिछाया सड़कों, हेलीपैड का जाल, पेंटागन की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि चीन ने भारत से लगती एलएसी पर साल 2022 में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य किया है। भारत से बढ़ते तनाव के बीच चीन ने एलएसी पर बड़े पैमाने पर नई सड़कों, सैन्य और नागरिक दोनों उपयोग के लिए एयरपोर्ट और कई हेलीपैड बनाए हैं। पेंटागन ने 'मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलेपमेंट्स इन्वोल्विंग द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' नाम से यह रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है मई 2020 में भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव बढ़ा, जिसके बाद चीन की सेना पीएलए की वेस्टर्न थिएटर कमांड का ध्यान इस ओर गया है। भारत और चीन के बीच सीमा पर सरहदबंदी को लेकर स्थिति साफ नहीं है, जिसके चलते दोनों देशों के बीच अक्सर सीमा पर विवाद होता रहा है। हालांकि 2020 के बाद से यह

तनाव काफी बढ़ गया है। यही वजह है कि दोनों तरफ से एलएसी पर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य किया गया है। वेस्टर्न थिएटर कमांड ने एलएसी पर बड़े पैमाने पर सैनिकों की तैनाती भी की हुई है। खासकर गलवान घाटी में भारतीय सेना के साथ हुई हिंसक झड़प के बाद से सीमा पर दोनों तरफ बड़ी संख्या में सैनिक तैनात हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों पक्षों में तनाव को कम करने के लिए बातचीत हो रही है लेकिन अभी तक इस दिशा में खास प्रगति नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में चीनी सेना एलएसी पर निर्माण कर रही है। इसके तहत डोकलाम में जमीन के अंदर स्टोरेज की सुविधा बनाई गई है। एलएसी के तीनों सेक्टर में नई सड़कें बनाई गई हैं और भूटान से लगती सीमा पर नए गांव बसाए गए हैं। पैंगोंग झील पर दूसरा पुल बनाया गया है और एक एयरपोर्ट और कई हेलीपैड भी बनाए गए हैं। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने साल 2022 में एक बॉर्डर रेजीमेंट तैनात की थी और उसकी मदद के लिए शिनजियांग और तिब्बत मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट की दो डिविजन भी तैनात की गई हैं।

सीतापुर जेल में विशेष सुरक्षा बैरक में रखे गए आजम सुबह उठाया गया तो बोले थे- मेरा एनकाउंटर होगा

सीतापुर। जौहर विश्वविद्यालय के एक मामले में सजा होने के बाद एक बार फिर आजम खों को सीतापुर जेल भेज दिया गया है। रामपुर पुलिस सुबह पांच वाहनों के काफिला के साथ उन्हें करीब 10 बजे सीतापुर जेल लेकर पहुंची। स्थानीय पुलिस पहले से ही मुस्तैद थी। आजम का काफिला आते ही मीडिया कर्मियों को गेट के बाहर रोक दिया गया और रास्ता खाली कराके वह जिस वाहन पर सवार थे उसे मुख्य द्वार तक ले जाकर उन्हें जेल के अंदर कर दिया गया। सुरक्षा के लिहाज से उन्हें जेल में विशेष सुरक्षा बैरक में रखा गया है। इसमें उनके साथ तीन अन्य कैदी में रहेंगे। आजम के आने के बाद जेल प्रशासन सतर्क हो गया है। जेल के सुरक्षा मानकों को लेकर निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बाहर पहरा चाक चौबंद कर दिया गया है। वहीं अंदरूनी सुरक्षा को लेकर भी विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। आजम इससे पहले करीब 26 महीने सीतापुर जेल में निरुद्ध रह चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने पर 20 मई 2022 को उनकी रिहाई हुई थी। आजम की पत्नी तंजीन फातिमा और बेट अब्दुल्ला आजम भी सीतापुर जेल में रह चुके हैं। सुरक्षा कारणों के चलते आजम को उनकी पत्नी और बेटा के साथ 27 फरवरी 2020 को रामपुर से सीतापुर जेल शिफ्ट किया गया था। सीतापुर जेल में रहने के

दौरान आजम कोरोना संक्रमित भी हो गए थे। आजम खां के सीतापुर आने की चर्चा होने के बावजूद कोई भी सपा नेता और कार्यकर्ता जेल गेट पर नहीं पहुंचा। सामन्य कैदियों की तरह आजम खां सीधे जेल के अंदर चले गए। सपाइयों के न पहुंचना लोगों के साथ ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। इसके राजनीतिक निहतार्थ भी निकाले जा रहे हैं।

केजरीवाल की दिल्लीवासियों को सौगातः सराय काले खां टी-जंक्शन अब होगा सिग्नल फ्री, जाम से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। सराय काले खां में आइटीओ और यमुनापार की ओर से आश्रम आने वाले मार्ग पर निमार्णाधीन फ्लाईओवर का मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उद्घाटन कर दिया। फ्लाईओवर के उद्घाटन के दौरान दिल्ली की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी भी मौजूद थी। इससे पहले शनिवार को फ्लाईओवर को यातायात के लिए खोलकर इसका ट्रायल किया गया है। करीब एक घंटे के ट्रायल के बाद फ्लाईओवर को फिर से बंद कर दिया गया। केजरीवाल ने फ्लाईओवर का उद्घाटन कर लोगों को संबोधित करते हुए कहा- इस तरह के फ्लाईओवर के उद्घाटनों में पहले लोग नहीं आते थे। आप सभी लोगों के आने से मालूम होता है कि इस फ्लाईओवर को लाखों लोगों को फायदा होगा। हमने इस फ्लाईओवर के निर्माण में भी काफी बचत की है। इस फ्लाईओवर के निर्माण के लिए 66 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, लेकिन हमने

इसको 50 करोड़ रुपये में तैयार करा दिया। इसे अब आज उद्घाटन के बाद आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा इसके शुरू हो जाने से रिंग रोड पर आइटीओ और यमुनापार की ओर से आश्रम की ओर जाना आसान हो जाएगा। गौरतलब है कि सराय काले खां में सिंगल लेन फ्लाईओवर बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने कंपनी का चयन करने के बाद छह सितंबर 2022 को शिलान्यास किया था। करीब 643 मीटर लंबे इस फ्लाईओवर पर 65.55 करोड़ रुपये खर्च का अनुमानित बजट रखा गया था। तीन लेन के इस सिंगल फ्लाईओवर को जुलाई 2023 में तैयार कर देने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे अब पूरा किया गया है। यह फ्लाईओवर सराय काले खां टी-जंक्शन को सिग्नल फ्री बनाएगा। इसके शुरू होने पर रोजाना पांच टन कार्बन गैस का उत्सर्जन कम होगा और जाम में नहीं फंसने से लोगों की सालाना 19 करोड़ रुपये की बचत होगी। परियोजना की कुल कुल लागत साढ़े तीन सालों में निकल जाएगी।

भाजपा पर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, बोले- माहौल हमारे पक्ष में है

नई दिल्ली। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने राजस्थान चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में तीन नामों का एलान किया गया है और पार्टी जल्द ही अन्य नामों का भी एलान कर सकती है। बता दें कि एआईएमआईएम पहली बार राजस्थान चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रही है। पार्टी ने जयपुर की हवा महल विधानसभा, सीकर की फतेहपुर और भरतपुर की कमान सीट से अपने उम्मीदवार उतारे हैं। घोषणा पत्र के सवाल पर छत्तीसगढ़ सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि विपक्ष के लोग पहले तैयारी करते हैं, लेकिन भाजपा ने एक बात भी छत्तीसगढ़ की जनता को नहीं कही, बस इतना कहा कि उल्टा लटका देंगे। ये धमकी वाली बात गली मोहल्ले में दादा लोग करते हैं। छत्तीसगढ़ की जनता के लिए क्या करेंगे ये नहीं बताया। आपकी (भाजपा) नीयत ये है कि सरकार में आया जाए और छत्तीसगढ़ की सारी खदान और फैक्ट्रियों को अदाणी को

सौंप दें। कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'पीएम मोदी हमेशा चुनाव प्रचार में व्यस्त रहते हैं। जब देश में उनके खिलाफ माहौल बन रहा है तो वह विज्ञापन जारी करते हैं। मैं देख रहा हूं कि किसी योजना के प्रचार के लिए अफसरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वह किसी को नहीं छोड़ रहे हैं। वह सभी से कह रहे हैं कि सभी रथ यात्रा निकालकर लोगों को सरकार के कामों के बारे में बताएं। यह कदम लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए है और यह ठीक नहीं है। हम इसकी निंदा करते हैं और इसी लिए हमने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है।' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चुनाव का माहौल उनके पक्ष में है और हम सभी पांचों राज्यों में जीत दर्ज करेंगे।

विंध्यधाम में नवरात्र की अष्टमी पर आस्था का उमड़ा रेला, दो लाख से अधिक भक्तों ने लगाई हाजिरी

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले में शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर महागौरी स्वरूप मां विंध्यवासिनी के दर्शन को विंध्याचल धाम में आस्था का संगम दिखा। भक्तों ने दर्शन-पूजन कर पुण्य की कामना की। मंगला आरती के बाद भक्तों के दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हुआ, जो अनवरत जारी है। अष्टभुजा और कालीखोह मंदिरों में भी अन्य दिनों की अपेक्षा बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंदिरों में मत्था टेकने के बाद भक्त त्रिकोण परिक्रमा को निकल रहे हैं। सुबह 10 बजे तक दो लाख से अधिक भक्तों ने श्रद्धा भाव से माता के धाम में शीश झुकाकर सुख-समृद्धि की कामना की। गुड़हल, गुलाब और कमल के पुष्पों से मां का श्रृंगार किया गया। भव्य श्रृंगार देख श्रद्धालु निहाल हो उठे । घंटा, शंख, नगाड़ा और माता के जयकारे से मंदिर में चारों दिशाएं गुंजायमान है। गंगा घाटों पर स्नान करने के बाद मां के दरबार में पहुंचे भक्तजनों ने बड़े ही भक्ति भाव से दर्शन-पूजन किया। मंदिर पहुंचने के बाद कोई गर्भगृह से तो कोई झांकी से माता के भव्य स्वरूप का दीदार किया। भक्त हाथ में नारियल-चुनरी, माला-फूल, कपूर-धूपबत्ती एवं प्रसाद

लेकर विंध्यधाम पहुंचे। महाअष्टमी तिथि पर मेला क्षेत्र में तैनात किए गए पुलिस व पीएसी सहित श्री विंध्य पंडा समाज के पदाधिकारी, सदस्य एवं स्काउट-गाइड भक्तों को नियंत्रित करने में जुटे हैं। महाअष्टमी तिथि पर मां विंध्यवासिनी माता दरबार में दर्शन पूजन करने उमड़े श्रद्धालु की भीड़ को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनंदन मां विंध्यवासिनी माता के प्रथम निकास द्वार पर डटे रहे। भक्त सीसीटीवी कैमरे, मेटल डिटेक्टर जांच के उपरांत मंदिर परिसर में पहुंच कर मां के चरणों में शीश नवाकर सुख समृद्धि की कामना करते नजर आए। विंध्याचल धाम में शारदीय नवरात्र के आठवें दिन अष्टमी को मां के धाम में हाजिरी लगाने को भक्तों का तांता रात्रि 2 बजे से ही लगने लगा। रविवार को अवकाश का दिन होने से मंदिर परिसर में लोगों की भीड़ का कोई ओर छोर नहीं था। विंध्याचल के सभी वाहन स्टैंड गाड़ियों से फुल हो चुके थे तो बहुत ही तेजी से भक्तों की भीड़ में बढ़ोतरी सुबह के लिए होने लगी। विंध्याचल के सभी गेस्ट हाउस व होटल फुल हो चुके हैं। मां विन्ध्यवासिनी मंदिर जाने वाली हर गली और रास्ते में दर्शनार्थियों की रात से ही लंबी-लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं।

'पागल हो गए हैं सम्राट चौधरी', भाजपा पर जमकर बरसे नीतीश के मंत्री; कहा- इनका नाम तक नहीं सुनना चाहते

पटना। बिहार में इन दिनों सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। एक ओर भाजपा लगभग हर दिन नीतीश कुमार पर हमला करती रहती है। कई बार तो भाजपा नेता बिहार में नीतीश कुमार पर पर्सनल अटैक तक करते हुए नजर आते हैं। यहां तक कि भाजपा नेता सम्राट चौधरी कई बार यह कह चुके हैं कि नीतीश कुमार अब बुजुर्ग हो गए हैं, ऐसे में उन्हें गद्दी छोड़ देनी चाहिए। अब बिहार को और कितना बर्बाद करेंगे। वहीं, दूसरी ओर जदयू ने भी भाजपा को मुंहतोड़ जवाब दिया है। बिहार

सरकार में मंत्री व जदयू नेता जमा खान ने भाजपा के नेताओं और सम्राट चौधरी को घेरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल उन्माद फैलाना जानती है, हम काम करते हैं, यह सभी लोग जानते हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के नेता नीतीश कुमार हैं, यह सभी जानते हैं। वह जो करेंगे, सब लोग मानने को तैयार है। जमा खान ने कहा कि भाजपा को विकास से कोई लेना देना नहीं है, हम विकास करते हैं, उसपर वे (बीजेपी) उंगली उठाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने विकास के बारे में कोई बात नहीं करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल नीतीश कुमार का विरोध करना जानती है। वहीं, जब मीडिया ने पूछा कि सम्राट चौधरी का कहना है कि नीतीश कुमार अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं, इसपर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जो यह साब बातें कह रहा है वही पागल है। जमा खान ने कहा कि हम लोग उनका नाम तक सुनना नहीं चाहते हैं।

संपादकीय

सफाईकर्मियों की मौत को लेकर सरकार और संबंधित महकमों का रवैया संवेदनशील नहीं

जिस दौर में दुनिया भर में विज्ञान नई ऊंचाइयां छू रहा है, नई-नई तकनीकों के जरिए मनुष्य के लिए जोखिम वाले कामों को आसान बनाने के दावे किए जा रहे हैं, उस समय भी हमारे देश में सफाई का काम करते हुए लोगों की जान चली जाती है। सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौतों पर लंबे समय से गहरी चिंता जताई जाती रही है, इस पर पाबंदी भी लगाई जा चुकी है, फिर भी अक्सर सफाई कर्मियों के मरने की खबरें आती रहती हैं। इसका अफसोसनाक पहलू यह भी है कि इस तरह होने वाली मौतों पर सरकार और संबंधित महकमों का रवैया पर्याप्त संवेदनशील नहीं होता है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर एक अहम आदेश जारी किया है। अदालत ने कहा है कि अब सरकारी अधिकारियों को सीवर सफाई के दौरान जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवार को तीस लाख रुपए का मुआवजा देना होगा। इसके अलावा, अगर यह काम करते हुए कोई कामगार स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो जाता है, तो उसे कम से कम बीस लाख रुपए का भुगतान करना होगा। यह छिपा नहीं है कि इस तरह की सफाई के लिए जिन लोगों को सीवर में उतारा जाता है, वे समाज के सबसे हाशिये के वर्गों से आते हैं और पहले ही वहां उन्हें बहुस्तरीय उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। फिर जो लोग उनसे यह काम कराते हैं, उन्हें उनकी सुरक्षा के बारे में फिक्र करने की जरूरत नहीं महसूस होती। वरना क्या वजह है कि जहरीली गैसों के जोखिम से भरे हुए सीवर में उतरने वाले लोगों को गैस-मास्क या अन्य सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए जाते? इतना तय है कि यह काम कराने की जिम्मेदारी आमतौर कर नगर निगम या अन्य संबंधित सरकारी महकमों के अधिकारियों की होती है। मगर जब इस दौरान हादसा होता है, उसमें मजदूरों की जान चली जाती है या कोई व्यक्ति किसी अंग से लाचार हो जाता है, तब या तो उसे पर्याप्त मुआवजा नहीं मिलता या फिर इसकी जिम्मेदारी सरकार पर आ जाती है। कानून का उल्लंघन करने वाले अधिकारी कई बार बचे रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट का आदेश इस लिहाज से अहम है कि इसमें मुआवजे के मामले में सरकारी अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की गई है। इंसानों से गहरे नालों या सीवर की सफाई कराने पर करीब दस वर्ष पहले प्रतिबंध लगा दिया गया था। मगर आए दिन सीवर में उतरने वाले लोगों की मौत की घटनाओं से साफ है कि यह कानून शायद सिर्फ दस्तावेजों में सिमटा हुआ है। देश में आज भी हजारों लोग सीवर की सफाई करने के लिए हर तरह की जोखिम के बीच उनमें उतरने पर मजबूर हैं। इस मसले पर पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने लोकसभा में बताया था कि पिछले पांच सालों में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान पूरे देश में तीन सौ उनतालीस लोगों की मौत के मामले दर्ज किए गए। सवाल है कि जब ऐसा काम कराना न केवल अमानवीय हो, बल्कि प्रतिबंधित भी हो, वह खुलेआम कैसे होता रहता है और उसे पूरी तरह रोकना किसकी जिम्मेदारी है? जिस दौर में बहुत सारे इंसानी काम मशीनों और रोबोट से कराए जाने को विज्ञान और तकनीक की उपलब्धि बताया जाता है, उस दौर में सबसे जोखिम और गरिमारहित काम में आम इंसानों को क्यों झोंका जाता और उन्हें उपेक्षित क्यों माना जाता है?

लेते हैं वो पैसा!

लग रहे आरोप ।
लेते हैं वो पैसा ।।
स्थिति विचित्र है ।
खेल इनका कैसा ?
पहुंचा देना पैसा ।
पूछेंगे सवाल ।।
पता करना होगा ।।
कहां कहां ये हाल ।।
जांच से ही शायद ।
हो पाए स्पष्ट ।।
किसने मजा पाया ।
और किसको कष्ट ।।
परंपरा ना टूट रही ।
हुआ ना सुधार ।।
लोकतंत्र पर कुछ ना कुछ ।
होता रहा प्रहार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

कांग्रेस आलाकमान पर हावी होती जा रही है कमलनाथ-दिग्विजय सिंह की जोड़ी?

संतोष पाठक

अखिलेश यादव के प्रकरण ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है की मध्य प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी कांग्रेस आलाकमान पर भारी पड़ती हुई नजर आ रही है। आगे बढ़ने से पहले आपको याद दिलाते हैं कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की इसी जोड़ी के कारण राहुल गांधी के सबसे करीबी बल्कि बिना किसी अपॉइंटमेंट के राहुल गांधी से सीधे मिलने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी कांग्रेस छोड़कर अपने समर्थक विधायकों के साथ भाजपा में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उस समय भी यही कहा गया था कि दिल्ली में राहुल गांधी जो कहते हैं या जो वादा करते हैं मध्य प्रदेश में उस समय के मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके जोड़ीदार दिग्विजय सिंह उसे अपने हिसाब से तोड़ मरोड़ कर अंजाम देते हैं। अखिलेश यादव प्रकरण में भी कुछ-कुछ ऐसा ही होता नजर आ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी भी कीमत पर नरेंद्र मोदी को हराकर प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए बेचैन कांग्रेस ने या यूं कहें कि कांग्रेस आलाकमान ने अपने तमाम मतभेदों को किनारे रखकर कई विपक्षी दलों के साथ बैठना स्वीकार किया। हालांकि कांग्रेस ने भाजपा को हराने के लिए विपक्षी एकता की शुरूआत इंडिया गठबंधन बनने से काफी पहले महाराष्ट्र में उस समय ही शुरू कर दी थी जब गांधी परिवार ने शरद पवार के कहने पर उस शिवसेना के सुप्रीमो उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना स्वीकार कर लिया था जो शिवसेना कांग्रेस से ज्यादा सीधे कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार पर हमला बोला करती थी। बाद में जब कांग्रेस के कहने पर नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों को एकजुट करना शुरू किया तो अपने राज्य के नेताओं की मांगों, यहां तक कि लोकसभा में अपने नेता अधीर रंजन चौधरी की मांग को नजरअंदाज कर कांग्रेस आलाकमान ने बड़ा दिल दिखाते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठना भी मंजूर कर लिया जिन पर पश्चिम बंगाल के कांग्रेस के अपने नेता यह आरोप लगाते रहते हैं कि उनकी सरकार बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हत्या तक करवा रही है। गांधी परिवार ने आम आदमी पार्टी के उन मुखिया अरविंद केजरीवाल तक के साथ बैठना स्वीकार कर लिया जो केजरीवाल साहब अन्ना आंदोलन के समय गांधी परिवार को पानी पी-पीकर कोसा करते थे और जिनकी पार्टी ने पंजाब में न केवल कांग्रेस का सुपड़ा साफ कर उसे सत्ता से बाहर कर दिया, दिल्ली में कांग्रेस के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया बल्कि गुजरात में चुनाव लड़कर कांग्रेस को सबसे बड़ी हार के कगार पर पहुंचा दिया। केजरीवाल अब यहीं तक नहीं रुक रहे हैं बल्कि आने वाले पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में भी पूरे दम-खम के साथ चुनाव लड़ रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन में शामिल कई ऐसे दल हैं जिनके साथ कांग्रेस के रिश्ते कभी खट्टे कभी मीठे रहे हैं लेकिन भाजपा को हराने के नाम पर कांग्रेस ने इन सब दलों के साथ बैठना और सीटों को लेकर समझौता तक करना स्वीकार कर लिया है। लेकिन कांग्रेस के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की जोड़ी ने समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव को नाराज कर विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि मध्य प्रदेश प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सपा को 6 सीटें देने का वादा किया था लेकिन बाद में मुकर गई। इस बारे में जब कमलनाथ से सवाल पूछा गया तो वह बहुत ही हल्के अंदाज में यह कहते नजर आए की "अरे भई, छोड़ो अखिलेश-वखिलेश"। अब आप खुद सोचिए की एक ऐसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो जिनकी पार्टी सबसे ज्यादा ताकतवर उत्तर प्रदेश में है जहां से लोकसभा में 80 सांसद चुनकर आते हैं और जिनके साथ कांग्रेस एक बार गठबंधन करके चुनाव लड़ चुकी है। उस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करने का मतलब सीधा एक ही होता है कि आप अपने ही पार्टी के राष्ट्रीय आलाकमान की मेहनत पर पानी फेरते हुए नजर आ रहे हैं क्योंकि यहां इस बात को ध्यान रखना जरूरी है कि शुरूआत में अखिलेश यादव इस गठबंधन में शामिल नहीं होना चाहते थे लेकिन कांग्रेस के कहने पर नीतीश कुमार ने बार-बार अखिलेश यादव से संपर्क साधा और बहुत मुश्किल से अखिलेश यादव इस गठबंधन में शामिल होने के लिए तैयार हुए थे और ऐसे में मध्य प्रदेश में 6 या हो सकता है तीन या चार सीट देकर ही सपा को मनाया जा सकता था लेकिन जिस तरह का व्यवहार किया गया और उसके बाद जिस तरह की टिप्पणी की गई उसने दोनों दलों के बीच एक खटास पैदा कर दी है और अब सपा ने मध्य प्रदेश में 22 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उम्मीदवार खड़े करके अपना तेवर दिखा दिया है और इसके साथ-साथ अखिलेश यादव ने यह भी कह दिया है कि कांग्रेस जिस तरह का व्यवहार सपा के साथ मध्य प्रदेश में कर रही है उसी तरह का व्यवहार सपा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ करेगी और जब लोकसभा चुनाव के समय उत्तर प्रदेश में सीटों के बंटवारे की बात होगी उस समय समाजवादी पार्टी सोचेगी कि उसे क्या करना है मतलब अखिलेश ने सीधे-सीधे कांग्रेस को धमकी दे दी है। दिग्विजय सिंह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं और उत्तर प्रदेश के प्रभारी भी रह चुके हैं।

दिग्विजय सिंह को इस बात का बखूबी अहसास है की लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के 80 लोकसभा सीटों की क्या भूमिका होती है और चुनाव हारने के बावजूद उत्तर प्रदेश में सपा का अपना एक वजूद है और सपा को नकार कर, उत्तर प्रदेश में मोदी सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी गठबंधन खड़ा नहीं किया जा सकता है लेकिन आलाकमान की तमाम मेहनत पर उन्होंने कमलनाथ के साथ मिलकर एक तरह से पानी फेर दिया है और अब अगर अखिलेश इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर अगले साल लोकसभा का चुनाव लड़ते भी है तो कई सवाल उनसे भी पूछे जाएंगे क्योंकि जैसा अखिलेश खुद कह चुके हैं कि भाजपा एक ऑर्गेनाइज्ड पार्टी है तो भाजपा ने यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कमलनाथ और अखिलेश यादव के आपसी तकरार वाले बयानों को सोशल मीडिया पर घुमाना और फैलाना शुरू कर दिया है।

सनातनी जीवन-पद्धति की सीख देता नवरात्रि उत्सव

प्रज्ञा पाण्डेय

नवरात्रि में देवी की उपासना न केवल भक्ति, शारीरिक शुद्धि एवं उत्सव है बल्कि नकारात्मक विचारों को दूर कर सकारात्मकता को स्वयं में समाहित करना भी है। भारत में, नवरात्र उत्सव पूरे जोरों पर है, यह उल्लास, ऊर्जा, पूजा, उत्सव और सकारात्मकता का समय है। इन नौ दिनों में देवी की अराधना एवं व्रत उपवास न केवल शारीरिक शद्धि देते हैं बल्कि लोगों को आध्यात्मिक की ओर भी अग्रसर करते हैं। सनातन धर्म स्त्री पुरुष में भेद नहीं करता है तथा शक्ति की दिव्यता एवं उसकी उपस्थिति को महत्व देता है। नवरात्र बुराई पर अच्छाई की जीत के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लंका पर विजय प्राप्ति से पहले श्रीराम ने भी शक्ति को पूजा था। नवरात्र में मां दुर्गा की काली, लक्ष्मी एवं सरस्वती के रूप में पूजी जाती है। शक्ति की पूजा का न केवल धार्मिक महत्व है बल्कि ऋतुओं एवं कृषि की दृष्टिकोण से भी महत्व है। शुद्धता के साथ किया गया नवरात्र व्रत का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व भी है। यह त्यौहार न केवल उत्तर भारत में बल्कि देश के कोने-कोने में मनाया जाता है। हिंदू धर्म दिव्य शक्ति और उसकी उपस्थिति के महत्व को समझता है। नवरात्र बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाती है। नवरात्र का त्यौहार गर्मी और सर्दी से पहले मनाया जाता है। श्रीराम ने भी लंका प्रस्थान से पहले दुर्गा पूजा की और विजयी होकर लौटे। नवरात्र नौ दिनों को संदर्भित करती है, जिनमें से प्रत्येक का अपना महत्व है। यहां दुर्गा मां की पूजा काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में की जाती है।

जब भी तामसिक, राक्षसी और क्रूर लोग शक्तिशाली हो जाते हैं और सात्विक, धार्मिक मनुष्यों को परेशान करना शुरू कर देते हैं, तब देवी धर्म की पुनर्स्थापना के लिए अवतार लेती हैं। यह इस देवता का व्रत है। ऐसा माना जाता है कि नवरात्रि के दौरान देवी तत्त्व सामान्य से हजारों गुना अधिक सक्रिय होता है। इस सिद्धांत से सबसे अधिक आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने के लिए, व्यक्ति को नवरात्रि की अवधि के दौरान जितना संभव हो सके "श्री दुर्गा देव्यै नमः" का जाप करना चाहिए। पहले तीन दिनों तक, दुर्गा मां की पूजा मां काली के रूप में की जाती है, जो हमारी सभी अशुद्धियों को नष्ट कर देती है। अगले तीन दिनों तक, उन्हें माता लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता है, जो प्रचुर धन प्रदान करती हैं। अंतिम तीन दिनों के दौरान, उन्हें माता सरस्वती के रूप में पूजा जाता है, जो लोगों को ज्ञान और बुद्धि का आशीर्वाद देती हैं। नवरात्र का त्यौहार एक शक्तिशाली राक्षस महिषासुर पर मां दुर्गा की जीत की याद दिलाता है। राक्षस महिषासुर कोई साधारण राक्षस नहीं था, क्योंकि उसे गहरी तपस्या के बाद भगवान शिव से आशीर्वाद मिला था। शिव जी के आशीर्वाद ने उन्हें अमरता प्रदान की और उन्हें मृत्यु से बचाया। इस वरदान को प्राप्त करने के परिणामस्वरूप, उसने पृथ्वी पर निर्दोष लोगों को मारकर विनाश का नृत्य शुरू किया। इस दुष्ट राक्षस को खत्म करने के लिए मां दुर्गा का जन्म हुआ।

पूरे भारत में, नवरात्रि उत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। देवी को आमतौर पर पूर्व में मां काली के रूप में पूजा जाता है, और विभिन्न पंडाल बनाए जाते हैं। पश्चिमी भारत में इस त्यौहार को गरबा और डांडिया के साथ मनाया जाता है। महाराष्ट्र में "घटस्थापना" नामक एक सांस्कृतिक परंपरा का अभ्यास उन महिलाओं द्वारा किया जाता है जो अनुष्ठान करती हैं और सांस्कृतिक परंपराओं का पालन करती हैं। नवरात्रि दिव्य स्त्री ऊर्जा या शक्ति का उत्सव है, जिसे देवी दुर्गा के रूप में जाना जाता है। यह उन्हें सर्वोच्च देवी के रूप में सम्मानित करता है जो शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक है। यह त्योहार राक्षस महिषासुर पर देवी दुर्गा की जीत का जश्न मनाता है, जो बुराई और अज्ञानता का प्रतिनिधित्व करता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, दुर्गा ने महिषासुर से नौ दिनों और रातों तक युद्ध किया और अंततः दसवें दिन उसे हरा दिया, जिसे विजयदशमी या दशहरा के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रि के दौरान, नौ दिनों में देवी दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों या अभिव्यक्तियों की पूजा की जाती है। इन रूपों को नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है और ये उनकी दिव्य शक्ति के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक दिन देवी के एक विशिष्ट रूप को समर्पित है, जो भक्तों को उनके विभिन्न गुणों का आह्वान करने की अनुमति देता है। नवरात्रि आम तौर पर ऋतु परिवर्तन के आसपास आती है, जो मानसून से शरद ऋतु में संक्रमण का प्रतीक है। भारत के कुछ क्षेत्रों में, यह फसल के मौसम से जुड़ा हुआ है और कृषि इनाम का जश्न मनाने के समय के रूप में देखा जाता है।

भक्त नवरात्रि के दौरान उपवास रखते हैं और शुद्धिकरण प्रथाओं में संलग्न होते हैं। उपवास को शरीर और मन को शुद्ध करने और आध्यात्मिक शुद्धता प्राप्त करने के साधन के रूप में देखा जाता है। नवरात्रि न केवल एक धार्मिक त्योहार है बल्कि भारत में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम भी है। इसमें नृत्य प्रदर्शन, संगीत, सामुदायिक समारोह और गुजरात में गरबा और डांडिया रास जैसे जीवंत जुलूस शामिल हैं। भक्त इस अवधि का उपयोग अपनी आध्यात्मिक प्रथाओं को तेज करने, अपनी भक्ति को गहरा करने और नकारात्मक गुणों के खिलाफ अपनी आंतरिक लड़ाई पर विचार करने, देवी दुर्गा की शक्ति और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए करते हैं। माता दुर्गा आदि परा शक्ति, आदिम सार्वभौमिक माता और ब्रह्मांड की सबसे शक्तिशाली शक्ति की अभिव्यक्ति हैं। अधिकांश समय दुर्गा की शक्ति सभी शक्ति देवियों और शस्त्र देवों तक फैली रहती है। माता दुर्गा परम शक्ति का अवतार हैं और इतनी खतरनाक हैं कि वह संपूर्ण देवशक्ति बनकर विलीन हो जाती हैं और अधिकांश समय परोपकारी माता पार्वती के रूप में विद्यमान रहती हैं। बाहरी शक्ति माया जो कि छाया शक्ति की प्रकृति की है, सभी लोगों द्वारा दुर्गा के रूप में पूजा की जाती है, जो इस सांसारिक दुनिया की निर्माण, संरक्षण और विनाश करने वाली है। यहां, दुर्गा देवी को भगवान की बाहरी शक्ति के रूप में संबोधित किया जाता है, जो भौतिक ब्रह्मांड के निर्माण, रखरखाव और विनाश का महत्वपूर्ण कारण है। आध्यात्मिक होने के कारण भगवान महाविष्णु को इस भौतिक मामले से कोई सरोकार नहीं है। इसीलिए, वह शंभू और उसकी पत्नी को जन्म देता है, जो उसके लिए कार्य करते हैं। नवरात्रि में देवी पूजन एक परंपरा है जो सहस्राब्दियों से चली आ रही है, एक प्राचीन ज्ञान है जिसने पीढ़ियों को कायम रखा है, और जीवन का एक तरीका है जिसने अनगिनत आत्माओं को उनकी आध्यात्मिक यात्राओं पर मार्गदर्शन किया है। यह परम्परा न केवल लोगों को आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है बल्कि एक विशेष जीवनशैली अपनाने को प्रेरित करती है। नवरात्रि में लोगों की जीवन शैली ऐसी हो जो रीति-रिवाज, आहार पद्धतियां, धार्मिक और सामाजिक अनुष्ठान, पवित्र स्थान या यहां तक कि उनकी विचार प्रक्रिया का सार हो।

अखिलेश यादव के बाद अब जयंत चौधरी ने बढ़ा दी इंडिया गठबंधन की टेंशन

स्वदेश कुमार

उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को चलाना कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर होता जा रहा है। यह गठबंधन 2024 में मोदी को चुनाव हराने के लिए बना था, लेकिन उससे पहले पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों के दौरान गठबंधन में पड़ी रार ने साबित कर दिया है कि मोदी विरोधी नेता मोदी को हराने से अधिक अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं। मध्य प्रदेश में सीटों की दावेदारी को लेकर कांग्रेस-समाजवादी पार्टी के बीच का झगड़ा थम नहीं पाया था और अब राजस्थान विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के एक और सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी ने अपनी दावेदारी ठोक कर कांग्रेस को और भी दुविधा में डाल दिया है। बता दें कि इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनी समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) का उत्तर प्रदेश में पहले से ही चुनावी गठबंधन है। बीते वर्ष 2022 में यूपी विधान सभा चुनाव में सपा-रालोद मिलकर चुनाव लड़े थे। इन दोनों दलों में से सपा ने मध्य प्रदेश की 9 सीटों के अलावा राजस्थान में आरएलडी ने 6 सीटों की मांग कर दी है। आरएलडी ने राजस्थान में टिकट की दावेदारी करके वहां (राजस्थान) खुद को मजबूत करने की दलील दी है।

गौरतलब है कि साल 2018 के राजस्थान चुनावों में आरएलडी ने दो सीटों- भरतपुर और मालपुरा में चुनाव लड़ा था। इसमें से भरतपुर में उसे जीत हासिल हुई थी। यहां आरएलडी के सुभाष गर्ग ने भाजपा के विजय बंसल को 15,000 वोटों से हराया था। गर्ग को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी कैबिनेट में मंत्री बनाया था। दूसरी ओर मालपुरा में आरएलडी के रणवीर पहलवान बीजेपी के कन्हैय्या लाल से करीब 30,000 वोटों से हार गए थे। आरएलडी को दोनों सीटों पर पड़े कुल वोटों में से 33 फीसदी वोट मिले थे। इस बार, आरएलडी राजस्थान में कांग्रेस के सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने झुंझुनू, चूरू, हनुमानगढ़, भरतपुर, बीकानेर और सीकर जैसे जाट बहुल जिलों में सीटों की मांग की है। सर्वेक्षण के अनुसार राजस्थान के जिन जिलों से रालोद अपना प्रत्याशी उतारना चाहती है वहां जाट मतदाताओं का 10 फीसदी से अधिक हिस्सा है और राजस्थान की 200 सीटों में से लगभग 40 पर जाट वोटरों का प्रभाव है। बता दें कि चुनाव के मद्देनजर आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी पहले ही जयपुर और भरतपुर समेत पांच विधानसभा

सीटों पर प्रचार कर चुके हैं। वहीं, आने वाले दिनों में कुछ और सीटों पर उनकी रैलियों की योजना है। सूत्रों बताते हैं कि आरएलडी राजस्थान में जाट के अलावा दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में जुटाने के लिए भीम आर्मी प्रमुख चन्द्रशेखर आजाद से हाथ मिला सकते हैं। बहरहाल, यूपी में इंडिया गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव और जयंत चौधरी ने जो तेवर अपनाए हैं, उससे तो यही लगता है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव को इंडिया गठबंधन की परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। इन चुनावी राज्यों में यदि कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहा तो इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों पर दबाव आ जायेगा, लेकिन इसका उलटा हुआ तो कांग्रेस को झुकना पड़ेगा। मगर ऐसा हो पाये इससे पूर्व ही गठबंधन के दल आपसदारी में सेंध लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। मध्य प्रदेश में सपा को सीटें न देने पर जहां अखिलेश ने कांग्रेस को चेतावनी दी है, वहीं अब जयंत चौधरी ने भी राजस्थान में 6 सीटें मांगकर इंडिया गठबंधन को टेंशन दे दी है। अखिलेश ने बीते दिनों साफतौर पर कह दिया कि इंडिया के तहत अगर राज्य स्तर पर गठबंधन नहीं हुआ तो बाद में भी नहीं होगा। उन्होंने मध्य प्रदेश के चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस से बात न बनने पर ये चेतावनी दी है। पूरे सियासी घटनाक्रम की तह में जाया जाये तो पता चलता है कि सपा ने गत दिनों मध्य प्रदेश की 9 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए थे, इसमें पांच सीटें ऐसी हैं, जिन पर कांग्रेस ने भी अपने उम्मीदवार घोषित कर रखे हैं। सपा ने पहले ही अपने लिए संभावित सीटों की सूची कांग्रेस को दी थी, जिसे तवज्जो नहीं मिली। इसके बाद जब अखिलेश यादव से कांग्रेस से गठबंधन को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस को बताना होगा कि इंडिया गठबंधन भारत के स्तर पर होगा या नहीं। अगर देश के स्तर पर है तो देश के स्तर पर है, अगर प्रदेश स्तर पर नहीं है तो भविष्य में भी प्रदेश स्तर पर नहीं होगा।

खैर, यह सब बाद की बाते हैं लेकिन आज तो कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक-दूसरे को नीचा दिखाने में ही लगे हैं। 19 अक्टूबर को सपा प्रमुख ने कांग्रेस नेताओं को आईना दिखाते हुए उसके उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को चिरकुट घोषित कर दिया था तो 21 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने अखिलेश को खरी खोटी सुनाते हुए उन्हें बीजेपी का मददगार साबित कर दिया। यही नहीं अजय राय ने यहां तक आरोप लगाया कि जिस अखिलेश ने अपने पिता की इज्जत नहीं की उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है। अजय राय ने कहा कि जनता देख रही है कि भाजपा से कौन मिला है। इससे पहले 7 उप-चुनाव हुए। यूपी में घोसी में उपचुनाव हुआ। हम लोगों ने बिना समर्थन मांगे इनको समर्थन दिया और इनका प्रत्याशी भारी मतों से चुनाव जीता। उसी समय चुनाव बागेश्वर के भी हुए इन्होंने (अखिलेश) वहां अपना प्रत्याशी दिया और वहां चुनाव लड़ाया। वहां भाजपा चुनाव जीती और कांग्रेस हार गई, जिससे यह साबित हो गया कि भारतीय जनता पार्टी के साथ कौन मिला है और कौन बी-टीम के रूप में काम कर रहा है। अभी मध्य प्रदेश में भी पता चल जाएगा।

लोकप्रिय जिला पंचायत सदस्य अजय शर्मा क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडाल में पहुंचकर टेका माथा

प्रखर संतकबीरनगर। जिले में नवरात्र के सप्तमी के दिन शहर खलीलाबाद सहित पूरे जिले में मां दुर्गा के पट को खोल दिया गया हैं । माता के भक्त लंबी लंबी कतारों में लग कर शांति पूर्वक मां के दर्शन कर आशीर्वाद ले रहे हैं। इसी क्रम में वार्ड नंबर 17 के लोकप्रिय जिला पंचायत सदस्य अजय शर्मा ने अपने क्षेत्र में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं के पांडाल में जा कर माता रानी के पट को खोला तथा विधि विधान के साथ मां दुर्गा की पूजा अर्चना की व आशीर्वाद लिया। आपको बता दें कि नवरात्रि के सप्तमी को वार्ड नंबर 17 के जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार शर्मा ने क्षेत्र के एकमा, रानीपार, केरमुआ, दरुआ, रौरापार, रौरापार चौराहा, भाटपार, हाड़ापार, चोकहर, कड़ेसर, सिरमोहनी, महसीन, शिवसरा, नहसापार, ऐचाकाट, बरईपार पैठान में स्थापित माता जी के पांडालों में उपस्थिति होकर मां जगत जननी का

आशिर्वाद लिया। इन स्थानों पर जैसे ही जिला पंचायत सदस्य अजय शर्मा ने मां दुर्गा का पट खोला वैसे ही जय माता दी के जयघोष से तमाम पांडाल गूंज उठे। व्रती महिलाओं व पुरुषों ने मां दुर्गा की आराधना कर मां का आशीर्वाद लिया। व्रती महिलाओं ने मां दुर्गा को लाल चुनरी और नारियल चढ़ाया। आरती के समय पंडालों में काफी भीड़ देखी गई। बताते चले कि जिला पंचायत सदस्य अजय शर्मा की पहचान बतौर समाजसेवी के साथ धार्मिक स्वभाव के धनी व्यक्ति के रूप मे की जाती है, राजनीति मे आने से पहले अजय शर्मा सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों मे बढ़चढ़कर हिस्सा लेने के साथ धार्मिक आयोजनों मे लगातार सहभागिता करते चले आ रहें। मंदिरो के जीर्णोद्धार के साथ मंदिरों के निर्माण मे आर्थिक सहयोग के लिए वाले, जाने वाले अजय शर्मा मां दुर्गा के अनन्य भक्त है जिन्होंने सप्तमी के दिन क्षेत्र के तमाम गांवो मे माँ दुर्गा के पांडालों मे पहुंच मां की पूजा अर्चना की और क्षेत्र की समृद्धि के साथ लोकमंगल की कामना मां भवानी से की।उन्होंने कहा कि मां दुर्गा शक्ति की देवी हैं। मां की सच्चे मन से नौ दिनों तक ध्यान-धारना व उपासना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। क्षेत्र वासियों को दुगार्पूजा व दशहरा की दी हार्दिक शुभकामनाएं। इस दौरान साथ में कृष्णकांत शर्मा,पंकज शर्मा, मनोज यादव, अरविन्द पांडे, पिंटू तिवारी, सतपाल सिंह, रिंकू ओझा, राज यादव, आदि सभी लोग उपस्थित रहे।

बरेका में शहीदों की स्मृति में 64वां पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना में 64वां पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया` 21 अक्टूबर सन 1969 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में सीमा की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ के जाँबाज सैनिकों के एक छोटे से गश्ती दल पर चीनी सेना द्वारा घात लगाकर हमला किया गया था जिसमे हमारे 10 रण बांकुरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था उन्ही की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस अर्ध सैनिक बल द्वारा शहीदों के सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। बरेका रेलवे सुरक्षा बल बैरेक में आयोजित कार्यक्रम में रणवीर सिंह चौहान, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, बरेका, वाराणसी द्वारा सम्पूर्ण देश के रेलवे सुरक्षा बल के 13 बल सदस्यों के नाम को पढ़कर उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया गया उक्त अवसर पर शहीदों की याद में मौन धारण के उपरांत पुष्पांजलि अर्पित की गई। उक्त परेड में आई.पी.सिंह, सहायक सुरक्षा आयुक्त, के. के. सिंह, निरीक्षक, प्रमोद लकड़ा, निरीक्षक, बी.के. राय, निरीक्षक, जय सिंह यादव, उप निरीक्षक, अनिल कुमार, उप निरीक्षक, सतेन्द्र मिश्र, सहायक उप निरीक्षक, सुरेन्द्र यादव, सहायक उप निरीक्षक, उदय यादव, सहायक उप निरीक्षक, उमेश, हेड कांस्टेबल, अमित सिंह, कांस्टेबल सहित बड़ी संख्या में रेलवे सुरक्षा बल के जवान उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी तथा सीडीओ ने किया कन्या पूजन, लिया आशीर्वाद दिया उपहार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शारदीय नवरात्र के अष्टमी के दिन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा मिशन शक्ति फेस-4 के तहत रायफल क्लब सभागार गाजीपुर में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी व मुख्य विकास अधिकारी सन्तोष कुमार वैश्य की उपस्थिति में 51 आंगनबाड़ी की बालिकाओं का कन्या पूजन करते हुए उन्हें बैग लेखन सामग्री व पोषण सामग्री तथा फल की टोकरी देते हुए कन्या पूजन का कार्यक्रम किया गया। कन्या पूजन का पुराणों में भी वर्णन मिलता है जिसके अनुसार देवी भागवत पुराण के अनुसार देवराज इंद्र ने जब भगवान ब्रह्माजी से भगवती को प्रसन्न करने की विधि पूछी तो उन्होंने सर्वोत्तम विधि के रूप में कुमारी पूजन ही बताया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबोशन अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बालिकाओं का पूजन करते हुए उन्हें उपहार भेंट दिया गया।

आईजीएल के तीन कर्मचारियों को सीएम ने दिया नियुक्ति पत्र

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। आईजीएल के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के नेतृत्व में कंपनी द्वारा तीन कर्मचारियो का चयन किया गया था,आज इन तीनों कर्मचारियों को वृहद रोजगार मेले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने बताया की इस वृहद रोजगार मेले में कंपनी द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है और मेले में आए युवाओं से रिज्यूम भी प्राप्त किया गया है और आवश्यकता अनुसार उन्हें कार्य दिया जाएगा। आईजीएल के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, सांसद रवि किशन शुक्ल एवं विधायक प्रदीप शुक्ल के कर कमलों से प्राप्त हुआ।

विजया दशमी पर होगा नवरात्र महोत्सव का समापन

प्रखर जखनियां गाजीपुर। सिद्ध पीठ हथियाराम मठ पर रहे नवरात्र महोत्सव का समापन विजया दशमी के अवसर पर 24 अक्टूबर को अति प्राचीन संत परंपरा के तहत ध्वज पूजन, शस्त्र पूजन, शास्त्र पूजन, शिव पूजन, शक्ति पूजन व शमी पूजन के साथ किया जायेगा। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को इस पीठ के 26वें पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी बुढ़िया माई को भोग लगाकर वर्ष बंटने वाला हलवा पूड़ी का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

कमेटी ने करवाया लावारिश लाश का अंतिम संस्कार

प्रखर जौनपुर। शहर स्थित हजरत भुंदरा शाह स्थित कब्रिस्तान पर लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी जौनपुर के द्वारा एक शव जो मुंगरा बादशाह थाने से आया था ,उक्त शव के बारे में पुलिस ने सूचना दी की ट्रेन से गिरने पर मौत हुई ,अखबार और टीवी पर सूचना देने पर भी कोई वारिस नही आया तो पोस्ट मार्टम के बाद कमेटी को सौंप दिया गया,कोविड काल से अब तक उक्त कमेटी दर्जनों शव मुस्लिम समुदाय का दफना चुकी है।कमेटी के अध्यक्ष साजिद अलीम ने बताया की अगर प्रशासन को कोई भी लावारिस लाश मुस्लिम समुदाय की मिले तो उसकी अंतिम संस्कार उक्त टीम करवाएगी।मिट्टी में रियाजुल हक,इरशाद मंसूरी,सद्दाम हुसैन,बख्तियार आलम,दानिश इकबाल,सलीम चुन्ना,इमरान आदि मौजूद रहे।

सिद्ध पीठ हथियाराम मठ में उमड़ती भीड़ को नियंत्रित करने में सुरक्षाकर्मियों और स्वयं सेवकों के छूट रहे पसीने

प्रखर जखनिया गाजीपुर ।क्षेत्र के सिद्ध पीठ हथियाराम मठ में बुढिया मां व सिद्धदात्री मां के दरबार मे श्रद्धालूओ कीअपार भीड को नियंत्रण करने के लिए सुरक्षा कर्मियों के संग स्वंयसेवकों को काफी मशक्कत करनी पड रही थी । पूरा परिसर दर्शन करने वालो से भरा पडा रहा । मंदिर से बाहर मेले जैसा दृश्य रहा । नवमी को 1100 कन्याओं का पूजन , किया जाएगा । दशमी के दिन सिद्धपीठ मे ध्वज पूजन ,शस्त्र ,शास्त्र पूजन, सिद्धेश्वर महादेव शिवालय मे शिव पूजन , शमि पूजन , के साथ ही शिष्यो की सभा मंच कि परंपरा 900 वर्षों पूर्व से होती चली आ रही है । उक्त बातें सिद्ध पीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर मंहथ श्री भवानी नंदन यति महाराज ने कहा कि हमें परंपरा का पालन करना हम लोगों का कर्तव्य है । परंपरा के पुजारी जो कहें वही हमें करना चाहिए ,जो हमारी परंपरा को लेकर चलते हैं।शिष्यों की खुशी में ही मेरी सहमति है ,25 वर्षों से मैं सिद्ध पीठ में निरंतर कार्य कर रहा हूं ।बताया कि हवन पूजन एक अच्छा कार्य है , जिसे सांइस्टिक के भी उद्देश्य पूरा होते हैं। कहां पूजा भाव से करना चाहिए , शुभ कार्यों में विलंब न करें ।मौके पर काफी संख्या में शिष्य रहे।

अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, जिला पंचायतीराज विभाग, पशुपालन विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागो की प्रगति की समीक्षा की। इसके पश्चात उन्होंने जनपद में चल रही 50 लाख से ऊपर की परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित किया कि अस्पतालों में दवाओ की उपलब्धता के साथ ही मेडिकल उपकरण के रखरखाव तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करे। मोबाइल मेडिकल यूनिट की भी स्थापना करे। मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि निराश्रित गोवंश संरक्षण एवं पशु टीकाकरण में तेजी लाएं। डीआईओएस को निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों को 19 पैरामीटर से संतृप्त कराए। समाज कल्याण विभाग को विभिन्न लंबित पेंशन आवेदनों के त्वरित निस्तारण तथा सामूहिक विवाह के आवेदन लेने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अन्य सभी विभागों से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं परियोजनाओं की सीएम डैशबोर्ड पर कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। सभी अधिकारीगण अपने विभाग की योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करते रहें।उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर समीक्षा के दौरान प्रगति धीमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

जिलाधिकारी के आदेश पर अवैध अतिक्रमण को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

प्रखर, मऊ। जिलाधिकारी ने चंद्रा पब्लिक स्कूल चकमेहंदी के प्रबंधक विजय बहादुर पाल पुत्र दयाराम पाल निवासी चकमेहंदी, तहसील सदर द्वारा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ तहसीलदार कोर्ट से 2 अगस्त 2022 को पारित बेदखली आदेश के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट कोर्ट में 16 दिसंबर 2022 को दाखिल निगरानी को बलहीन मानते हुए दाखिल निगरानी को निरस्त करने के आदेश 20 अक्टूबर 2023 को जारी किया। जिसके क्रम में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर जाकर चंद्रा पब्लिक स्कूल चकमेहंदी के प्रबंधक विजय बहादुर पाल पुत्र दया रामपाल निवासी चक मेहंदी तहसील सदर द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को मुक्त कराया गया।

कोतवाली सदर क्षेत्र में पत्थर से कूंच कर हुई हत्या का पुलिस ने किया पर्दाफाश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान व वाँछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में 20 अक्टूबर नई बस्ती सकलेनाबाद थाना कोतवाली क्षेत्र में अभियुक्त तेजू बिन्द पुत्र बजरंगी बिन्द निवासी ऋभदेव सिंह मार्ग नई बस्ती सकलेनाबाद थाना कोतवाली, गाजीपुर द्वारा घर की छत पर सो रहे संजय राजभर पुत्र जयमंगल राजभर निवासी ऋभदेव सिंह मार्ग नई बस्ती सकलेनाबाद थाना कोतवाली, गाजीपुर की पत्थर सील के टुकड़े से सिर पर वार करके हत्या कर दिया गया था, जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली, गाजीपुर पर धारा 302/458 भादवि बनाम तेजू बिन्द उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत हुआ । दौराने विवेचना वाँछित अभि0 तेजू

राम बिन्द उर्फ तेजू बिन्द पुत्र बजरंगी बिन्द निवासी ऋभदेव सिंह मार्ग नई बस्ती सकलेनाबाद थाना कोतवाली, गाजीपुर को रवीवार को प्रभारी निरीक्षक अशेषनाथ सिंह मय हमराह थाना कोतवाली, गाजीपुर द्वारा नवापुरा जजी तिराहा थाना कोतवाली, गाजीपुर से मय मो0सा0 न0 यूपी 61 एम 4988 के गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तार अभि0 की निशानदेही पर हत्या की घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक अदद सील पत्थर का टुकड़ा बरामद किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त के विरूद्ध थाना कोतवाली, गाजीपुर द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अशेषनाथ सिंह, थाना कोतवाली, उप निरीक्षक राजीव कुमार त्रिपाठी चौकी विशेश्वरगंज थाना कोतवाली, हेड कांस्टेबल रमेश तिवारी थाना कोतवाली, कांस्टेबल अजय कुमार -21 थाना कोतवाली, कांस्टेबल लल्ला सिंह थाना कोतवाली, गाजीपुर।

कोर्ट में लंबित जमीनी मामले कके निरीक्षण लिए मौका स्थल पर पहुंचे अपर जिलाधिकारी प्रशासन

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के भीटी रावत में 21 अक्टूबर दिन शनिवार को काफी समय से कोर्ट में लंबित एक जमीनी मामले के निरीक्षण के लिए मौका स्थल पर पहुंचे निरीक्षण करने पहुंचे गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता ने लिया जायजा। आपको बता दे सहजनवां तहसील समाधान दिवस के मौके पर अध्यक्षता करने आये। गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता को भीटी रावत में काफी समय से लंबित एक जमीन के मामले का ख्याल आ गया।

मामला भीटी रावत निवासी व यशपाल रावतप बनाम तबारक अली के बीच 12 डिसमिल जमीन का है जो मौके पर शारदा प्रसाद रावत महाविद्यालय के द्वारा कब्जा किये जाने से संबंधित है

जिसका गोरखपुर न्यायालय में मामला विचाराधीन है जिसे लेकर पहुंचे अपर जिलाधिकारी प्रशासन गोरखपुर पुरुषोत्तम दास गुप्ता ने मौके स्थल पर निरीक्षण कर हकीकत जाना और हल्का लेखपाल रत्नेशमणि को बुलाकर दोनों पक्षों के समक्ष मामले को गहनता से समझा तथा अग्रिम कार्रवाई की बात कही है। विगत हो कि पूर्व विधायक सहजनवा यशपाल सिंह रावत बनाम तबारक अली पुत्र जाफर अली के बीच 12 डिसमिल जमीन का मामला कोर्ट में काफी समय से लंबित है इस दौरान यशपाल सिंह रावत, लेखपाल रत्नेशमणि त्रिपाठी, तबारक अली समेत दर्जनों की संख्या में ग्रामीण व राहगीर मौजूद थे।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम हुआ जारी

प्रखर, मऊ। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 1 जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसका आलेख्य प्रकाशन 27 अक्टूबर, 2023 को होगा। यह कार्य 5 जनवरी, 2024 तक गतिमान रहेगा। इस सम्बन्ध में आयोग द्वारा निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्य में प्रमुख भूमिका निभाने वाले अधिकारियों यथा जिला निर्वाचन अधिकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, उप जिलाधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, आदि को आयोग की अनुमति के बिना पुनरीक्षण अवधि 27 अक्टूबर 2023 से 5 जनवरी 2024 तक के मध्य स्थानान्तरित करने पर रोक लगा दी गयी है।

प्रबुद्ध जन काशी संस्था द्वारा शिविर लगाकर नि:शुल्क होम्योपैथिक दवा का वितरण एवं बचाव हेतु लोगों को किया जागरूक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मच्छर जनित रोगों डेंगू चिकनगुनिया मलेरिया से बचाव एवं उपचार हेतु प्रबुद्ध जन काशी संस्था द्वारा 22 अक्टूबर रविवार कों सूर्या सिटी गार्डन दीनदयालपुर में शिविर लगाकर नि:शुल्क होम्योपैथिक दवा का वितरण किया गया एवं बचाव हेतु लोगों को जागरूक किया गया इस अवसर पर उपस्थित डॉ. नेहा गुप्ता ने दवा वितरित करते हुए लोगों को अपने आचार, विचार , आहार , विहार को संयमित रखते हुए रोगों से बचाव के उपक्रमों को अपनाने को ही सर्वोत्तम बताया। वरिष्ठ समाजसेविका सूर्यबाला सिंह ने प्रबुद्धजन संस्था की सराहना करते हुए बताया कि वर्तमान में महामारी का रूप ले चुकी चिकनगुनिया एवं डेंगू से संबंधित दवा का वितरण कर मानव समाज की सच्ची सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया है शिविर में सैकड़ो गंभीर पीड़ित लोगों सहित लगभग 500 लोग लाभान्वित हुए। शिविर में डॉ संजय सिंह गौतम, देव कुमार राजू , रितेश श्रीवास्तव, शशांक सिंह ,लोकपति सिंह ,बृजेंद्र मौर्य, संदीप प्रताप सिंह , सतीश तिवारी डॉ वीरेंद्र मौर्य , चंद्रप्रकाश मिश्रा , अरुण कुमार सिंह ने शिविर में सहयोग किया।

नवरात्र के जौं से प्रेरित इंडोर पौध हरित क्रांतिः संस्थापक डॉ. मोनिका रघुवंशी

प्रखर जौनपुर। हजारों सालों से, दुनिया भर में लोग गमलों या बर्तनों में पौधे उगाते रहे हैं और उन्हें अपने रहने की जगह में लाते रहे हैं। पौधों और बागवानी को लोगों के लिए शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से भी अच्छा माना जाता है। पौधों के लाभों की सीमा व्यापक हैः वायु गुणवत्ता में सुधार, तनाव कम करना, बीमारी में स्वास्थ लाभ तथा मानसिक थकान कम होना। शोध अध्ययन बाहरी पौधों या प्रकृति के दृश्यों पर अधिक केंद्रित हैं। अनुसंधान से पता चला है कि अलग-अलग गमलों या बर्तनों में घर के अंदर इंडोर पौधे भी समान लाभ उत्पन्न कर सकते हैं। अनुसंधान ने पौधों को निष्क्रिय रूप से देखने से तनाव कम करने वाले लाभों की पुष्टि की है। शोध प्रदर्शित करते हैं कि जब पौधे घर में रखे जाते हैं तो कमरे के बारे में लोगों की धारणा और उनके मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है। पौधों के साकारात्मक प्रभाव से लोगों की उत्पादकता और

मानसिक कार्यप्रणाली में सुधार होता है और दर्द की अनुभूति में कमी आती है। लोगों पर पौधों के प्रभाव पर किए गए शोध से पता चला है कि संक्षेप में, लोगों को सर्वोत्तम रूप से स्वस्थ रहने के लिए पौधे आवश्यक हैं। पौधों की हमारे जीवन में, हमारे चारों ओर, प्रतिदिन आवश्यकता होती है। पौधे हमारे परिवेश को स्वस्थ बनाते हैं। पौधे प्राकृतिक वायु शोधक हैं जबकि एक कृत्रिम वायु शोधक की कीमत दो हजार से शुरू है और बिजली का बिल हमेशा इंडोर पौध हरित क्रांति में सहयोग देने हेतु किसी भी बर्तन या गमले में कम से कम तीन, अधिकतम इच्छानुसार घर के अंदर लगने वाले पौधे जैसे जौं, मनी प्लांट इत्यादि लगाएं और स्वयं के साथ फोटो खींच कर ग्रुप https://chat.whatsapp.com/Br0nJ9UsVhtKff5WSYcDHo में नाम व जिले के साथ शेयर करें। प्रत्येक प्रतिभागी का नाम इंडोर पौध हरित क्रांति की बुकलेट में फोटो सहित आएगा। अच्छे प्रदर्शकों को ई सर्टिफिकेट द्वारा नवाजा जाएगा।

नौ दुर्गा (शक्ति) ने बेहतरीन ढंग से संभाला विद्यालयी व्यवस्था अंतिम दिन मना दशहरा हुआ रामलीला

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शारदीय नवरात्रि में शास प्रशासन की मंशानुरूप मिशन शक्ति अभियान को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए प्राथमिक विद्यालय सैरागोपालपुर का सम्पूर्ण प्रभार शक्ति स्वरूपा नौ दुर्गा को सौंप दिया गया था जिसे नवो दुर्गा द्वारा मिलकर बेहतरीन तरीके से संभाला गया विद्यालय में लगातार गतिविधि, बालिका सुरक्षा, संरक्षा व शिक्षा संबंधी नाटिका का प्रदर्शन करते हुए बच्चियों द्वारा जन समुदाय में संदेश दिया गया और बालिकाओं को महत्व प्रदान करने हेतु जागरूक किया गया। विद्यालय के बालक और बालिका अपने अपने गांव में प्रतिदिन विद्यालय में हुए संदेश परक कथानक को लोगों को सुनाकर प्रेरित करने का प्रयास किया गया` आज जबकि दशाहरा अवकाश के पूर्व का अंतिम शैक्षिक दिवस होने से प्रभारी नौ दुर्गा द्वारा दशहरा व रामलीला खेल कर मनाने का निर्णय लिया गया तत्क्रम में बच्चियों द्वारा नौ दुर्गा के एक साथ स्वरुप में महिषासुरमर्दिनी नाट्य प्रस्तुतिकरण किया गया उसके बाद डांडिया नृत्य करते हुए अंत में रामलीला राम वन गमन,सीताहरण , हनुमान मिलन, लंका दहन, रावण वध के साथ साथ पुतला दहन कर दशहरा मनाया गया इस अवसर पर प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक के बच्चे द्वारा खूब आनंद लिया गया।

महबूबा ने श्रीनगर में इजराइल विरोधी प्रदर्शन का नेतृत्व किया

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को यहां में फिलिस्तीन समर्थक और इजरायल विरोधी प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पूर्व मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी के कार्यकर्ता शहर के केंद्र में पार्टी मुख्यालय में एकत्र हुए और लाल चौक की ओर मार्च निकालने की कोशिश की। उन्हें हालांकि, आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। बाद में पीडीपी ने अपने कार्यालय के बाहर इजरायल विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने फिलिस्तीन के पक्ष में और इजराइल के खिलाफ जमकर नारे लगाए और प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्रा पहुंचे केदारनाथ

केदारनाथ धाम/देहरादून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्रा एक दिवसीय केदारनाथ भ्रमण पर शनिवार को उत्तराखंड पहुंचे। करीब 9 बजे वायु सेना के हेलिकॉप्टर से उन्होंने वीआईपी हैलीपैड पर लैंडिंग की। जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार एवं पुलिस अधीक्षक विशाखा ने उनका स्वागत किया। हैलीपैड से उतरते ही उन्होंने केदारनाथ क्षेत्र एवं आपदा की जानकारी लेना शुरू कर दिया। मंदिर के समीप तीर्थ पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण एवं रूद्राक्ष की माला पहना कर उनका स्वागत किया। जिसके बाद उन्होंने मंदिर में प्रवेश कर बाबा केदारनाथ का रूद्राभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना कर समस्त विश्व एवं जन कल्याण की कामना की।

माखी रेप कांड में आरोपों के कठघरे में मददगार

उन्नाव, (ब्यूरो)। जिले के माखी क्षेत्र में बहुचर्चित रेप कांड में नया मोड़ आया है। जिस चाचा के साथ मिलकर पीड़िता ने पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर से न्याय की लड़ाई लड़कर जीती,अब उसी चाचा और परिवार के सदस्यों पर पीड़िता ने सहायता राशि को हड़पने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने माखी थाने में तहरीर देकर चाचा पर सरकार से और गैर सरकारी संगठनों से मिली सहायता राशि को हड़पने, सरकार से मिले मकान से धक्का देकर निकालने एवं धोखाधड़ी और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, साथ ही पुलिस से मदद की गुहार लगी है।

खट्टर ने हिंसा प्रभावित लोगों से की मुलाकात

नूंह, (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को नूंह जिले के बड़कली चौक पहुंचकर गत 31 जुलाई को हुई हिंसा में प्रभावित लोगों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बड़कली चौक पर ही तेल मिल का निरीक्षण भी किया जिसे उपद्रवियों ने आग लगा दी थी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि 31 जुलाई को जो घटनाक्रम हुआ वह निंदनीय है। हर व्यक्ति इस बात की निंदा कर रहा है। ये घटना नहीं होनी चाहिए थी। फिर भी अगर इस तरह की कोई भी अप्रिय घटना होती है तो जिला प्रशासन और सरकार का दायित्व होता है कि ऐसे हालात में कानून व्यवस्था तुरंत सामान्य की जाए। सभी के प्रयास से हालात पूरी तरह से समान्य हो गए हैं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि इसी उद्देश्य को लेकर शांति समिति के साथ भी एक बैठक की गई थी जिसमें सर्व समाज के नागरिकों ने हिस्सा लिया था।

जयश्री राम बोलने से रोका दो महिला प्रोफेसर सस्पेंड

गाजियाबाद, (ब्यूरो)। गाजियाबाद के एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज में 'जय श्रीराम' बोलने पर छात्र को मंच से उतारकर बेइज्जत करने का मामला तूल पकड़ने लगा है। भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने महिला प्रोफेसर पर हद्द लगाने की मांग की। वहीं, कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट हैक की गई। इस पर छात्र को मंच से उतरने वाली महिला प्रोफेसर की तस्वीर को शूर्पणखा की तरह लगाया गया। एसोसिएट महिला प्रोफेसर ने इस पूरे केस में अपना पक्ष रखते हुए जय श्रीराम स्लोगन से कोई दिक्कत नहीं होने की बात कही है। एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज मैनेजमेंट ने प्रोफेसर डॉ. ममता गौतम और डॉ. स्वेता शर्मा को सस्पेंड कर दिया है। जांच कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद ये कार्रवाई हुई है।

आज का इतिहास

- 1867: नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया की आधारशिला रखी गयी।
- 1875: अर्जेंटीना में पहले टेलीग्राफिक कनेक्शन की शुरुआत हुई।
- 1879: ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला राजद्रोह का मुकदमा बसुदेव बलवानी फड़के के खिलाफ।
- 1883: न्यूयार्क में ओपेरा हाउस का उद्घाटन हुआ।
- 1900: भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अशफाकउल्ला ख़ाँ का जन्म ।
- 1937: प्रसिद्ध हिन्दी फिल्म अभिनेता कादर खान का जन्म हुआ।
- 1962: भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना 'भाखड़ा नांगल' राष्ट्र को समर्पित की।
- 1964: फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक ज्यां पाल सार्त्र ने नोबेल पुरस्कार ठुकराया।

गाजा के बाद लेबनान से सटे इजराइली शहर कराए खाली

इजराइल ने 100 से अधिक हमास के ठिकानों पर किए हमले

यरूशलम। इजराइल ने शुक्रवार तड़के गाजा पर बमबारी की और दक्षिणी क्षेत्र में उन स्थानों पर हमला किया जहां फलस्तीनियों को सुरक्षा के मद्देनजर जाने के लिए कहा गया था। इसके साथ ही इजराइल उत्तरी सीमा पर लेबनान के पास अपने एक बड़े शहर को खाली करा रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि वह गाजा में जमीनी हमला कर सकता है।

गाजा में फलस्तीनियों ने बताया कि दक्षिणी क्षेत्र में स्थित खान यूनिस पर भारी हवाई हमला किया गया है। घायल लोगों को एम्बुलेंस से नासिर अस्पताल ले जाया गया, जो पहले से ही मरीजों और आश्रय चाहने वाले लोगों से खचाखच भरा हुआ है। नासिर अस्पताल गाजा का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने गाजा में हमास शासकों से जुड़े 100 से अधिक ठिकानों पर हमला किया है। इन ठिकानों में एक सुरंग और एक हथियार डिपो भी शामिल हैं। गाजा क्षेत्र में दस लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें से कई लोगों ने इजराइल के आदेशों का पालन करते हुए क्षेत्र को खाली कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि पूरे गाजा क्षेत्र में हमलों के कारण कुछ फिलिस्तीनी वापस उत्तर की ओर लौट रहे हैं, जो वहां से चले गए थे।

कतर के कहने पर हमास ने 2 अमेरिकी नागरिकों को छोड़ा

हमास ने कतर की मध्यस्थता के बाद शुक्रवार रात 2 अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया। ये दोनों मां-बेटी जूडिथ और नताली हैं। जंग शुरू होने के बाद यह पहला मौका है जब किसी बंधक को छोड़ा

गया है। हालांकि 200 लोग अब भी हमास के कब्जे में हैं। हमास ने दोनों महिलाओं को रेड क्रॉस को सौंपा, इसके बाद रेड क्रॉस ने इन्हें इजराइल के हवाले कर दिया।

रिहा किए गए दो अमेरिकी बंधकों से की बात: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फिलिस्तीनी कट्टरपंथी समूह हमास द्वारा रिहा किए गए दो अमेरिकियों और उनके परिवारों से टेलीफोन पर बात की। हालांकि गाजा में बमबारी जारी है। अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने अमेरिकी संसद से 105 अरब डॉलर का इमरजेंसी फंड रिलीज करने को कहा है।

इजराइल ने अपने नागरिकों से मुस्लिम देश छोड़ने को कहा

मदद के लिए राफा बॉर्डर खुला, 20 ट्रक गाजा पहुंचे

तेल अवीव। इजराइल-हमास की जंग का शनिवार को 15वां दिन था। इस बीच इजराइल ने मिस्र, जॉर्डन और मोरक्को समेत मुस्लिम देशों में मौजूद अपने नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने को कहा है। साथ ही इजराइलियों को इन देशों में न जाने की भी सलाह दी है। इजराइल की नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी ने आशंका जताई है कि इन देशों में जंग की वजह से नाराज लोग इजराइलियों को अपना निशाना बना सकते हैं। इधर, इजिप्ट और गाजा के बीच की राफा क्रॉसिंग से फिलिस्तीनियों को जरूरी सामान पहुंचाने का सिलसिला शुरू हो गया है।

200 ट्रकों से 3 हजार टन सामान पहुंचेगा गाजा

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, राफा बॉर्डर को पार करके करीब 200 ट्रक 3 हजार टन के सामान लेकर गाजा पहुंचेंगे। इस दौरान उम्मीद जताई जा रही है कि विदेशी नागरिक गाजा छोड़कर इजिप्ट जाएंगे। वहीं गाजा शहर के अल-कुद्स अस्पताल को खाली करने के आदेश दिए गए हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अस्पताल और आस-पास के इलाके में हजार से ज्यादा लोग मौजूद हैं। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने इसे खाली करने से इनकार कर दिया है। यहां इजराइली हमलों में बेघर हुए करीब 12 हजार लोग रह रहे हैं।

इजराइल-हमास जंग रोकने के लिए मिस्र में अहम बैठक

दोनों पक्षों में सीजफायर करवाने के लिए मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी की अगुआई में काहिरा में एक समिट चल रही है। इसमें कतर, यूएई, इटली, स्पेन, ग्रीस, कनाडा और यूरोपियन काउंसिल सहित 10 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। समिट में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने कहा कि कोई भी चुनौती हो, हम अपनी जमीन छोड़कर कहीं और नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि इजराइल ने स्कूल, अस्पतालों से लेकर औरतों और बच्चों पर बम दागे हैं। इन्होंने हर तरह के मानवीय कानून का उल्लंघन किया है। काहिरा में चल रही पीस समिट में हमास और इजराइल का कोई प्रतिनिधि नहीं है।

गहलोत को सरदारपुरा से, पायलट को टोंक से टिकट

झालरापाटन से चुनाव लड़ेंगी वसुंधरा

राजस्थान-कांग्रेस की पहली लिस्ट में 33, भाजपा की दूसरी लिस्ट में 83 प्रत्याशियों के नामों का चयन

जयपुर/नई दिल्ली, (एजेंसी)। लंबे इंतजार के बाद शनिवार 21 अक्टूबर को विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने पहली और भाजपा ने दूसरी लिस्ट जारी कर दी। भाजपा ने दूसरी लिस्ट में 83 और कांग्रेस ने पहले लिस्ट में 33 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। भाजपा ने राजस्थान के लिए 83 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी की। इसके कुछ देर बाद कांग्रेस ने 33 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की।

भाजपा अब तक 200 में से 124 सीटों पर टिकट डिक्लेयर कर चुकी है। 18 सीटें ऐसी हैं जहां दोनों पार्टियों ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। वसुंधरा राजे झालरापाटन से ही चुनाव लड़ेंगी, वहीं नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की सीट बदल गई है। उन्हें चूरू की बजाय तारानगर से टिकट दिया गया है। वे पहले भी तारानगर से चुनाव लड़ चुके हैं।भाजपा ने उदयपुर के पूर्व राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ को नाथद्वारा से टिकट दिया है। वे कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए थे। कांग्रेस ने नाथद्वारा से मौजूदा विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी को उतारा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरदारपुरा और सचिन पायलट को टोंक से टिकट मिला है। पायलट फिलहाल टोंक से ही विधायक हैं।

लक्ष्मणगढ़ में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने भाजपा से पूर्व सांसद और मंत्री सुभाष महरिया होंगे। इसी तरह नाथद्वारा सीट पर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के सामने भाजपा ने मेवाड़ के पूर्व राजघराने के कुंवर विश्वराज सिंह मेवाड़ को उतारा है। राजस्थान में कांग्रेस की पहली सूची में सचिन पायलट खेमे से 5 लोगों को टिकट दिएहैं। खुद पायलट के साथ विराटनगर से इंद्राज सिंह गुर्जर, लाडनूं से मुकेश भाकर, परबतसर से रामनिवास गावड़िया को टिकट मिला है। पूर्व विधायक विवेक धाकड़ को मांडलगढ़ से टिकट दिया गया है। पराजस्थान में भाजपा की दूसरी लिस्ट में वसुंधरा गुट के 11 विधायकों को टिकट दिया गया है।

कपल ने कचरे के सामने कराया अपना प्री-वेडिंग फोटोशूट

ताइपे। शादियों के प्री-वेडिंग शूट के लिए कपल अक्सर अच्छी जगह का सिलेक्शन करते हैं, लेकिन ताइवान के नान्टौ काउंटी में एक कपल ने कचरे के पहाड़ के सामने वेडिंग शूट कराया। आइरिस सुएह और उनकी मंगेतर इयान सिलोउ कचरे के ढेर के सामने गले लगते हुए नजर आए। इयान को उम्मीद है कि इससे उनकी शादी में आए मेहमान अनावश्यक रूप से कचरा न फैलाने के प्रति जागरूक होंगे। उन्होंने मेहमानों से कहा कि वे घर से डिब्बे लेकर आएं जिनमें शादी का बचा हुआ खाना अपने साथ ले जा सकें। इससे खाना बर्बाद नहीं होगा। 2.3 करोड़ की आबादी वाला ताइवान 1987 से रिसाइक्लिंग कार्यक्रम चला रहा है, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक कचरा घर से निकलता है।

धीरेंद्र शास्त्री ने स्वर्ण मंदिर में टेका मत्था

अमृतसर। बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शनिवार को अमृतसर पहुंचे और श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेका। धीरेंद्र शास्त्री ने पीली पगड़ी पहनी हुई थी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि मैंने आज पगड़ी पहनी है, यह पंजाब की परम्परा है। मुझे पंजाब आकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने श्री हरमंदिर साहिब में लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की कृपा बनी रहनी चाहिए। पंजाबी पगड़ी पहनना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि गुरुओं की धरती पंजाब आकर उनको बहुत अच्छा लगा है। वह श्री दुर्ग्याणा मंदिर भी माथा टेकने के लिए गए।

चार साल बाद नए अंदाज में नवाज का कमबैक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने प्रतिशोध की राजनीति नहीं करने का शनिवार को वादा किया और कहा कि वह सिर्फ एक विकसित व समृद्ध पाकिस्तान देखना चाहते हैं। शरीफ ने ब्रिटेन में चार साल के स्व-निर्वासन के बाद स्वदेश लौटने के कुछ घंटे बाद एक विशाल रैली को संबोधित किया। शरीफ (73) अपनी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का नेतृत्व करने और अगले साल जनवरी में होने वाले आम चुनाव में जीत दर्ज कर रिकॉर्ड चौथी बार देश की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करने का प्रयास करने के लिए, ब्रिटेन में चार साल का स्वनिर्वासन समाप्त करके, दुबई से एक विशेष उड़ान से स्वदेश लौटे हैं।

अपने कार्यकाल को याद किया

अपनी वापसी के कुछ घंटों बाद - 2024 की शुरुआत में होने वाले अगले आम चुनाव से कुछ महीने पहले, लाहौर में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र के साथ उनका रिश्ता वैसा ही है, जब उन्होंने देश छोड़ा था और उन्हें यह देखकर गर्व हुआ था कि लोगों की नज़र में उनकी वफादारी साबित हो चुकी है।उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान को परमाणु शक्ति बनाने और लोड शेडिंग को खत्म करने को याद किया। क्या आपको लोडशेडिंग के वे 18 घंटे याद हैं? इसे किसने ख़त्म किया? उन्होंने पूछा, यह देखते हुए कि यह उनके नेतृत्व में था कि बिजली मुद्दा हल हो गया था।

रक्षामंत्री राजनाथ ने सैन्य विरासत महोत्सव का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यहां भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। दो दिवसीय महोत्सव का उद्देश्य नाटक, कहानी,प्रदर्शनी, बातचीत, कला और नृत्य के माध्यम से सदियों से विकसित भारत की समृद्ध सैन्य संस्कृति और विरासत का जश्न मनाना है। यह महोत्सव प्रख्यात विद्वानों और सेवारत तथा सेवानिवृत्त अधिकारियों द्वारा पैनल चर्चा के माध्यम से अलग अलग समझ और दृष्टिकोण को लोगों के समक्ष लाने का माध्यम है।

एक्सप्रेस-वे पर दो भीषण हादसे, आठ की मौत

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में एक परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार-शनिवार की रात 1 बजे ग्रेटर नोएडा में जेवर के पास अचानक ब्रेक लगाने से तेज रफ्तार ट्रक कार पर चढ़ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार कई फीट तक घिसटती चली गई। वहीं दूसरा हादसा लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर हुआ। इस हादसे में दो महिलाओं समेत तीन की मौत हो गई। दोनों हादसों में 8 लोगों की मौत हुई है।

ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि वैन में कुल आठ लोग सवार थे, जो दिल्ली से झारखंड जा रहे थे। हादसे के बारे में जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। पुलिस ने घायलों को दुर्घटनाग्रस्त वैन से निकालकर इलाज के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया, वहीं मृतकों को शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे।

मणिपुर हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील की अनुमति

इंफाल,(एजेंसी)। मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य के आदिवासी संगठनों को 27 मार्च के आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति दी है। आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया गया था कि वह मैतेई समुदाय को अजजा का दर्जा देने के लिए सिफारिश भेजे। जस्टिस अहनथेम बिमोल और जस्टिस गुणेश्वर शर्मा की बेंच ने अपने 19 अक्टूबर के आदेश में अपील की अनुमति दी है। बेंच ने कहा आवेदक की मुख्य शिकायत यह है कि अगर उन्हें मैतेई समुदाय को अजजा दर्जा देने के मामले में अपनी बात कहने या आपत्ति उठाने का मौका नहीं दिया गया तो इसका विपरीत असर पड़ेगा। 27 मार्च को तत्कालीन एक्टिंग चीफ जस्टिस एमवी मुरलीधरन की सिंगल बेंच ने मैतेई जनजाति संघ की याचिका पर आदेश पारित किया था। याचिका में मांग की गई थी कि मैतेई समुदाय को अजजा सूची में शामिल करने के लिए उनकी याचिका पर कार्रवाई करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया जाए। इस आदेश पर कुकी जो संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई।

स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित न करने पर अब कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा है कि ओटीटी स्ट्रीमिंग सेवाओं पर धूम्रपान चेतावनी संबंधी नियमों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है और नियम का अनुपालन नहीं करने पर कार्रवाई शुरू की जाएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता वाला मुद्दा मानते हुए केंद्र सरकार ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद फिल्म नियमों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी बढ़ा दिया है। ओटीटी नियम 2023 एक सितंबर 2023 से लागू हो गए। इन नियमों के तहत, अब सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसे नेटफ्लिक्स, अमेजॅन प्राइम वीडियो, डिज़नी प्लस हॉटस्टार, जियो सिनेमा, सोनी लिव, एएलटीबालाजी, वूट आदि को तंबाकू विरोधी स्वास्थ्य चेतावनी का प्रदर्शित करना होगा। तम्बाकू विरोधी स्वास्थ्य चेतावनी एक संदेश के रूप में और नियमों में निर्धारित तम्बाकू उपयोग के दुष्प्रभावों पर ऑडियो-विजुअल रूप में प्रदर्शित करना है।

मंत्रालय ने कहा है कि सरकार के इस कदम की विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठनों और विशेषज्ञों ने सराहना की है। ओटीटी को तंबाकू नियंत्रण नियमों के तहत लाकर भारत तंबाकू नियंत्रण उपायों में विश्व में अग्रणी बन गया है। मंत्रालय के अनुसार इस संबंध में मीडिया रिपोर्ट तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

22 पूर्व जजों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सराहा

समलैंगिक विवाह

यह भारतीय संस्कृति और विरासत के हक में...

नई दिल्ली। पूर्व न्यायाधीशों के एक समूह ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि यह वैधानिक प्रावधानों, संस्कृति और नैतिकता की व्याख्या का एक मिश्रण है। पूर्व न्यायाधीशों ने एक बयान में दावा किया कि इस फैसले को 'एलजीबीटीक्यू प्लस' समुदाय और उसके एक छोटे हिस्से को छोड़कर समाज से 'जबरदस्त सराहना' मिली है।उन्होंने फैसले के विभिन्न बिंदुओं का हवाला देते हुए कहा कि यह फैसला भारतीय संस्कृति, लोकाचार और विरासत के संदर्भ में प्रासंगिक है. प्रमोद कोहली, एसम सोनी, ए एन ढींगरा और आर. सी. चव्हाण सहित उच्च न्यायालय के 22 पूर्व न्यायाधीशों ने इस बारे में अपनी टिप्पणी की है।

फिल्मी तड़का

काजोल-तनीषा 'दुर्गा पूजा पंडाल' पहुंचीं

मुंबई। शनिवार को सप्तमी पर मुंबई के ट्यूलिप स्टार होटल में 'नॉर्थ बॉम्बे सर्बोजनिन दुर्गा पूजा' का आयोजन किया गया है। ये मुंबई का सबसे बड़ा और पुराना दुर्गा पूजा पंडाल है। यहां अक्सर कई फिल्मी सितारें भी नजर आते हैं। बता दें, ट्यूलिप होटल, मुंबई के फेमस होटलों में से एक है और जुहू में स्थित है। बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल और तनीषा मुखर्जी पूजा में नजर आईं। दोनों एक्ट्रेसेस ट्रेडिशनल लुक में दिखीं। सुमोना चक्रवर्ती भी नजर आईं। एक्टर वत्सल सेठ और इशिता दत्ता भी साथ में दिखे। वहीं काजोल का बैलेंस बिगड़ा, वे जमीन पर गिरने से बाल-बाल बचीं। दुर्गा पूजा में दर्शन करने पहुंची थीं एक्ट्रेस, मौजूद लोगों ने वहां उनकी मदद की।

थलपति विजय ने लियो में किए 120 करोड़ रुपए चार्ज

मुंबई। 300 करोड़ रुपये के बजट पर बनी एक्शन थ्रिलर फिल्म लियो पांच भाषाओं तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज हुई। फिल्म लियो की मशहूर स्टार प्रिया आनंद ने 50 लाख फीस के तौर पर लिए हैं। तमिल फिल्म लियो मे संजय दत्त ने फिल्म में विलेन 'एंटनी दास' का किरदार निभाया है। विलेन के इस रोल के लिए 65 वर्षीय संजू बाबा को 8 करोड़ फीस मिली है। थलपति विजय साउथ के सबसे अमीर एक्टर्स में से एक विजय हैं। एक्टर ने लियो में अपनी भूमिका के लिए 120 करोड़ रुपये चार्ज किए। इस भारी-भरकम चार्ज के साथ वह रजनीकांत के बाद कॉलीवुड में दूसरा सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर भी बन गए हैं।

भारत-कनाडा राजनयिक विवाद पर ब्रिटेन ने असहमति जताई

लंदन। भारत-कनाडा के बीच चल रहे राजनयिक विवाद के बीच अब ब्रिटेन सरकार ने अपना रुख बताया है। सुनक सरकार ने एक बयान में कहा है कि हम भारत सरकार के फैसलों पर अपनी असहमति व्यक्त करते हैं। बता दें कि एक खालिस्तानी आतंकी की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच जारी गतिरोध के मद्देनजर कनाडाई राजनयिकों को नई दिल्ली छोड़नी पड़ी है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय के एक बयान में कहा गया कि इस कदम से राजनयिक संबंधों को लेकर वियना संधि के प्रभावी अमल पर असर पड़ा है। इससे पूर्व में पीएम जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि उसने कनाडा में खालिस्तानी आतंकी नेता हरदीप सिंह निज्जर की जून में हुई हत्या में भारतीय एजेंट के शामिल होने का आरोप लगाया था। इन गंभीर दावों पर तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों के बीच राजनयिकों का दर्जा एकतरफा रद्द करने के संबंध में भारत की चेतावनी के बाद 41 राजनयिकों को वापस बुला लिया।

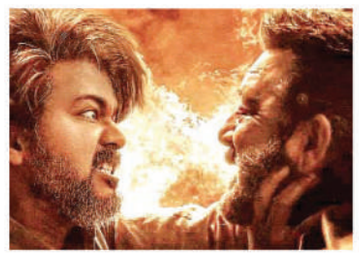

रियल एस्टेट

फेस्टिव आफर की परख जरूरी

बीते डेढ़ दशकों पर नजर डालें तो लगभग हर शारदीय नवरात्र के मौके पर बिल्डरों की तरफ से ग्राहकों को अपनी परियोजनाओं की तरफ आकर्षित करने के लिए लुभावने ऑफर्स दिये जाते रहे हैं। वर्तमान में भी नवरात्र का समय चल ही रहा है और इस साल भी बिल्डर्स व डेवलपर्स की तरफ से ऐसा ही कुछ देखने को मिला है। लेकिन ऐसे आफर्स को स्वीकार करने से पहले आपको सतर्क रहना होगा

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट रियल एस्टेट

मौजूदा फेस्टिव सीजन में ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को रिझाने के लिए हर सेलर्स अपने प्रोडक्ट पर कुछ न कुछ डिस्काउंट या आफर की पेशकश करते हैं। चूंकि फेस्टिव सीजन शारदीय नवरात्र से शुरू होता है इसलिए यह कहा जा सकता है फेस्टिव सीजन अब शुरू हो चुका है। इसी के चलते जहां देश के बड़े-बड़े ब्रांड ने डिस्काउंट और आफर्स की झड़ी लगा दी है वहीं रियल एस्टेट कंपनियां भी अब पीछे नहीं हैं। उन्होंने भी ग्राहकों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए कई तरह की पेशकश की हैं।

किस तरह के मिल रहे आफर्स

फेस्टिव सीजन के दौरान अपने लिए सपनों का आशियां खरीदने निकले ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कुछ बिल्डर्स जहां प्रापर्टी की बुकिंग या खरीद पर मुफ्त पार्किंग व क्लब की सदस्यता की पेशकश कर रहे है तो वहीं कुछ रियल एस्टेट कंपनियां मॉड्यूलर किचन के साथ अन्य इलेक्ट्रानिक उत्पादों का की पेशकश कर रही हैं। गुड़गांव में कुछ बिल्डर्स की तरफ से मकान की बुकिंग पर सोने के सिक्के भेंट स्वरूप दिये जा रहे है वहीं कुछ डेवलपर ने नवरात्र से लेकर दीपोत्सव के दौरान मकान खरीदने पर उसकी रजिस्ट्री पर छूट देने का वायदा किया है।

संपत्ति खरीदने के लिए नवरात्र को शुभ मानते हैं लोग

इसमें कोई दो राय नहीं कि चाहे शारदीय नवरात्र का समय हो या फिर वासंतिक, इन दोनों ही नवरात्रों के कुल 18 दिनों को संपत्ति की खरीदारी से लेकर उसमें प्रवेश के लिए बेहद शुभ समय माना जाता है। लेकिन यहां सवाल यह भी है कि क्या बिल्डरों की तरफ से इस खास मौके पर दी जाने वाली पेशकश को देखते हुए किसी परियोजना में निवेश का निर्णय कर लेना उचित रहेगा? आइये इसे समझने का प्रयास करते है साथ ही अगर आप भी नवरात्र के दिनों में किसी संपत्ति में निवेश का विचार रखते है तो इस स्थिति में आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

उचित समय की परख

संपत्ति में निवेश से पहले यह विचार करें कि संपत्ति में निवेश के प्रति आपका उद्देश्य क्या है? क्या आप अपने खुद के इस्तेमाल के लिए निवेश कर रहे हैं या फिर आप उसे निवेश के विकल्प के तौर पर देख रहे है। यदि आप अपने इस्तेमाल के संपत्ति खरीदना चाहते है तो सबसे पहले अपने परिवार की आवश्यकता को देखें अर्थात आपको कितने कमरों के मकान की जरूरत है, फिर जिस इलाके में वह संपत्ति है वहां की भौगोलिक स्थिति और इन्फ्रास्ट्रक्चर कैसा है, आपके आफिस की वहां से दूरी कितनी है। आपका जीवनसाथी भी यदि कामकाजी है तो वह वहां से अपने कार्यालय तक की दूरी कैसे तय करेगा? यदि इन कसौटियों पर कसने के बाद आपको संपत्ति उचित जान पड़ती है तो उसमें निवेश का विचार जरूर करें। अन्य मुफ्त उपहारों के फेर में आकर निवेश का मन न बनाएं। यह समझ लें कि मुफ्त उपहारों या छूट की कीमत चंद हजार या फिर लाख रुपयों की होगी लेकिन जब आप उस सपंत्ति का खुद इस्तेमाल करेंगे तो आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अनेक समस्याओं से दो चार होना पड़ेगा और इससे निपटने में आपके यही चंद हजार या एक लाख रुपए से ज्यादा की रकम खर्च हो जाएगी। इसके अलावा अगर उद्देश्य निवेश का है तो जहां वह संपत्ति है उस क्षेत्र की भविष्य की संभावनाओं पर भी एक नजर जरूर डाल लें जिससे भविष्य में आपको उसका अच्छा लाभ मिल सके।

प्री लांच में न करें निवेश

बीते कुछ महीनों में एक बार फिर बिल्डरों ने प्री लांच ऑफर आरंभ किया है। जो लोग नही जानते, वह समझ लें कि प्री लांच किसी परियोजना का वह चरण होता है जब बिल्डर ने किसी परियोजना को विकसित करने के लिए जमीन खरीदी हुई होती है या फिर जमीन की कुल कीमत का एक हिस्सा उसके विक्रेता को चुकाया होता है। साथ ही आने वाली परियोजना को लेकर स्थानीय एजेंसियों से उसे जरूरी स्वीकृतियां नही मिली हुई होती है। इसके अलावा इस चरण में संभावित परियोजना का रेरा यानी रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी के पास रजिस्ट्रेशन भी नही हुआ होता। कहने का अर्थ यह है कि प्री लांच एक तरह से हवाई योजना होती है जिसमें संभावित परियोजना की बुकिंग कुछ कम दामों पर करवाई जाती है। मेरी व्यक्तिगत सलाह है कि चाहे आपको संपत्ति खुद के इस्तेमाल के लिए लेनी हो या निवेश के लिए, ऐसे ऑफरों और परियोजनाओं से दूर रहने में ही समझदारी होगी। अतीत में नजर डालें तो साल 2004 से 2008 के दौरान दिल्ली-एनसीआर ही नही देश के विभिन्न शहरों में बिल्डरों ने खूब परियोजनाएं प्री लांच पर प्रस्तुत की थी और उस दौरान कई बिल्डर ग्राहकों की मेहनत की कमाई लूटकर रातों-रात फरार हो गए थे। ऐसे में बेहतर यही होगा कि इस त्योहारी मौसम में कोई भी निवेश करने से पहले संपत्ति और परियोजना के जरूरी कागजात और आवश्यक स्वीकृतियों पर एक नजर जरूर डाल लें।

आफर के फायदों की करें पड़ताल

बिल्डर की तरफ से दिये जाने वाले आफर के फेर में न पड़कर ही निवेश का निर्णय करें। आपको जो आफर दिया जा रहा है वह कितना फायदेमंद है यह देखें। मसलन बिल्डर की तरफ से कहा जाता है कि वह मकान की बुकिंग पर आपको मुफ्त इलेक्ट्रानिक उपहार देगा लेकिन वह उपहार आपको तब मिलेंगे जब उसकी तरफ से घर का कब्जा दिया जाएगा या फिर बुकिंग के समय आपको मुफ्त पार्किंग या क्लब की सदस्यता की पेशकश की जा रही हो तो इस स्थिति में यह देखें कि इन आफरों की वास्तविक कीमत कितनी है। कई बार ऐसा होता है कि पार्किंग के नाम पर कवर्ड के बजाय ओपन पार्किंग दे दी जाती है। इसी तरह क्लब की सदस्यता की कीमत ही महज 50 हजार रुपये की हो और पूर्व में भी अनेक ग्राहकों को बुकिंग के समय बिल्डर की तरफ से दूसरे खरीदारों को भी मुफ्त ही दी गई हो तो वैसे आफर का आपको कोई विशेष लाभ नही मिलेगा। कुल मिलाकर डेवलपर्स की तरफ से दिए जाने वाले आफरों को काफी बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है जबकि वास्तविकता कुछ और ही होती है। साथ ही इन आकर्षक आफरों का खर्च भी बिल्डर की तरफ से कहीं न कहीं आपकी जेब से ही निकाला जाता है।

बैंकों की पेशकश पर डालें नजर

त्योहारी मौसम में बैंकों और वित्तीय संस्थानों की तरफ से भी कई तरह के आफर निकाले जाते है, इनमें लोन लेने पर प्रोसेसिंग फीस में छूट दी जाती है। साथ ही कारपोरेट व अच्छा क्रेडिट स्कोर रखने वाले ग्राहकों को ब्याज दरों में अतिरिक्त छूट की पेशकश भी दी जाती है। ऐसे में इस त्योहारी सीजन में यदि किसी बिल्डर की तरफ से दिया जाना वाला आफर और संपत्ति आपकी जरूरतों से मिल जाए तो लोन लेकर निवेश की तरफ कदम बढ़ाया जा सकता है। कई बैंक मौजूदा समय में प्रोसेसिंग फीस मुफ्त जबकि लोन की दरों पर छूट का प्रस्ताव दे रहे है। फिर भी निवेश के अंतिम निर्णय से पहले संपत्ति, परियोजना, बिल्डर और उस क्षेत्र विशेष की मौजूदा सुविधाओं और भविष्य की संभावनाओं पर विचार कर लेने के बाद ही कोई निर्णय बेहतर कहा जाएगा। ■

ब्याज दरें बढ़ने से एक बार फिर आकर्षक बन गया है

फिक्स्ड डिपाजिट

बैंकों की फिक्स्ड डिपाजिट स्कीम आज के दौर में निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प बन चुकी है। इसी वजह से लोग निवेश के अन्य विकल्पों की तुलना में बैंक एफडी को प्राथमिकता देते हैं। वैसे तो बैंकों की सावधि जमा योजनाएं एक सुरक्षित निवेश होती हैं लेकिन इनमें निवेशक को कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं। इसलिए अगर आप बैंक में एफडी कराने की योजना बना रहे हैं तो आपको कुछ सावधानियां बतरनी होंगी

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

एक एक जमाना था जब देश में निवेश के बहुत ज्यादा विकल्प नहीं हुआ करते थे। उस समय लोग सिर्फ बैंकों की फिक्स्ड डिपाजिट योजनाओं में निवेश किया करते थे। बैंकों की फिक्स्ड डिपाजिट स्कीम्स हालांकि निवेश पर बहुत अच्छा रिटर्न नहीं देती थीं लेकिन फिर सुरक्षित निवेश की चाह में लोग इसमें निवेश करना बेहतर समझते। थे। जैसे-जैसे वक्त गुजरा बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ाईं जिससे बैंक एफडी ज्यादा लोकप्रिय होने लगी कई बैंक तो इतना ब्याज देते थे कि सिर्फ आठ या साढ़े आठ साल में ही निवेश की रकम दोगुनी हो जाती थी। समय बीतने के साथ आया कोरोना का दौर जब देश के केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरें लगातार नीचे की रखने के प्रयासों के तहत ब्याज दरें कम होने लगीं। इससे बैंक एफडी का आकर्षण घटने लगा। कोरोना के बाद जब ब्याज दरें एक बार फिर ऊपर की ओर आने लगीं तो फिक्स्ड डिपाजिट योजनाओं में निवेश एक बार फिर से आकर्षक होने लगा। मौजूदा दौर में तो कई बैंक इतना ब्याज दे रहे हैं कि नौ साल में ही बैंक एफडी की रकम दोगनी हो जाती है।

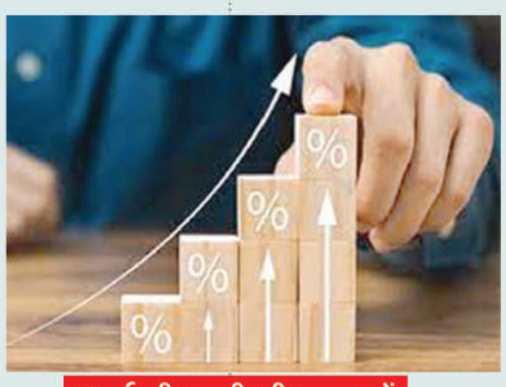

बैंक एफडी पर कितना ब्याज

मौजूदा दौर में बैंक एफडी पर ब्याज की दरें काफी आकर्षक हो गई हैं। पांच साल की एफडी पर बैंकों द्वारा अब 6% से लेकर 8% फीसद तक का ब्याज निवेशकों को दिया जा रहा है। अगर आप 500000 रुपए की एफडी कराते हैं और आपको आठ फीसद ब्याज मिलता है तो आपकी रकम नौ साल में दोगुनी हो जाएगी। इसी तरह अगर एफडी पर कोई बैंक 7% ब्याज दे रहा है तो 500000 रुपए की रकम 10 साल में डबल हो जाएगी। यानी कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि बैंक एफडी अब आकर्षक हो गई है अतः लोगों का रुझान अब इस तरफ बढ़ना लाजिमी है। हालांकि इसकी वजह से म्यूचुअल फंड में निवेश घटने की आशंका भी पैदा हो गई है।

एफडी की खामियां

मौजूदा दौर में बैंक एफडी जहां आकर्षक हो गई है वहीं इसमें कुछ खामियां भी हैं। जिससे निवेशकों में नकारात्मक संदेश जाता है और वे निवेश करने में हिचकिचाते भी हैं। अतः इसमें निवेश करने के पहले आपको यह भी जानना जरूरी है कि बैंक एफडी में कौन सी बातें नकारात्मक हैं। अगर आप इन बातों को समझ लेंगे तो आपको यह तय करने में जरा भी मुश्किल नहीं होगी कि एफडी में निवेश करना चाहिए या म्यूचुअल फंड योजनाओं में।

म्यूचुअल फंड के मुकाबले कम रिटर्न

बैंक एफडी में चूंकि ब्याज दरें अधिकतम आठ फीसद के आसपास ही हैं इसलिए इसमें आपकी रकम 9 साल, 10 साल, 11 साल या 12 साल में ही दोगुनी होगी। जबकि म्यूचुअल फंड में न्यूनतम रिटर्न दस फीसद मिलना बेहद आसान होता है। कई बार तो 11 फीसद या 12 फीसद तक का रिटर्न भी लंबी अवधि यानी दस साल की अवधि में मिल जाता है। इस तरह रिटर्न के लिहाज से बैंक एफडी अब भी म्यूचुअल फंड योजना का मुकाबला नहीं कर पा रही है।

फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने का एक नुकसान यह है कि इसमें ब्याज की दर निश्चित होती है। यानी जो ब्याज आपको बैंक ने निर्धारित कर दिया है, वह फिक्स रहता है। स्टॉक या म्यूचुअल फंड जैसे अन्य निवेश विकल्पों में आपको जो ब्याज मिलता है, वह इससे कहीं अधिक होता है।

परिपक्वता अवधि से पूर्व निकासी

अगर कोई व्यक्ति निर्धारित अवधि से पहले अपनी एफडी को कैश कराता है तो उसे इसके एवज में जुर्माना देना होता है। जबकि म्यूचुअल फंड योजनाओं में आप जब चाहें अपना पैसा निकालें जब चाहें जमा कर दें। इस लिहाज से बैंक एफडी प्री मैच्योर विड्रॉल के हिसाब से ठीक नहीं कही जा सकती।

लॉक-इन-पीरियड

एफडी में निवेश करने पर परिपक्वता अवधि तक आपका पैसा ब्लाक हो जाता है जबकि म्यूचुअल फंड में आप अपना पैसा कभी भी निकाल सकते हैं। ज्यादातर एफडी स्कीम ऐसी होती हैं जिनमें मैच्योरिटी से पहले पैसा निकालने पर पेनाल्टी लगा दी जाती है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि आपका पैसा आपके पास तो होता है लेकिन जरूरत पड़ने पर आप इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते।

ब्याज पर लगता है टैक्स

बैंक एफडी में एफडी की दो तरह की किस्में हैं। एक एफडी टैक्स सेवर एफडी के नाम से जानी जाती है जिसमें आपको इनकम टैक्स में छूट मिलती है। जबकि दूसरी तरह की एफडी में इनकम टैक्स में कोई छूट नहीं होती है बल्कि एफडी पर मिलने वाला ब्याज अगर दस हजार से ज्यादा है तो उसपर टैक्स चुकाना पड़ता है।

निश्चित रिटर्न

बैंक एफडी में रिटर्न की दर निश्चित होती है और परिपक्वता अवधि तक उसी दर पर रिटर्न मिलता है लेकिन म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को बाजार की तेजी का फायदा भी मिलता है और किसी साल 10 फीसद रिटर्न मिलता है तो किसी साल 15 फीसद, 20 फीसद यहां तक कि 30 फीसद तक का रिटर्न मिल जाता है।

बैंक बंद होने की स्थिति में क्या होगा

अगर किसी व्यक्ति ने जिस बैंक ने अपनी एफडी की है वह किन्हीं कारण से बंद हो जाता है तो आपका निवेश डूबा माना जाएगा। अलबत्ता अगर एफडी में आपका निवेश पांच लाख रुपए तक है तो बैंक द्वारा दी जा रही बीमा योजना के तहत आपको अधिकतम पांच लाख रुपए तक ही मिल पाएंगे।

5 वर्ष की एफडी की ब्याज दरें

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.25%
कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.10%
इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.25%
ईएसएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक	6.25%
फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक	8.00%
जना स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.25%
नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक	6.25%
शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.00%
सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक	8.25%
उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.20%
यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.65%
उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक	7.50%

स्रोतः पैसाबाजार.कॉम

समय पर कैसे चुकाएं क्रेडिट कार्ड का बिल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी का शौक आज युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। लेकिन यह शौक उस वक्त बहुत महंगा साबित होता है जब खरीदारी के बाद निर्धारित 30 दिन या 45 दिन के भीतर क्रेडिट कार्ड से खरीदारी के बिल की अदायगी नहीं हो पाती। अगर आपके सामने भी ऐसी ही कोई स्थिति आ जाती है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स दे रहे हैं जिनके जरिए आप अपने क्रेडिट कार्ड का बिल आसानी के साथ चुका सकते हैं

फेस्टिव सीजन चल रहा है। कई प्रमुख ई कामर्स कंपनियों ने खरीदारों को आकर्षित करने के लिए कई तरह के आफर पेश किए हैं। अगर आप भी इन आफर्स को देखकर किसी तरह की खरीदारी करने के लिए अपना क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने जा रहे हैं तो बहुत सोच समझकर खरीदारी का फैसला लें। इसकी वजह यह है कि क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना तो काफी आसान है। लेकिन यह खरीदारी उस वक्त बहुत महंगी पड़ जाती है जब किन्हीं कारणों से क्रेडिट कार्ड का बिल समय पर नहीं चुकाया जाता है। लेकिन फिर भी परेशान होने की जरूरत नहीं। आप अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कीजिए और कोई दिक्कत आ भी जाती है जिसकी वजह से आप समय पर क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं अदा कर पाते हैं तो उसके लिए हम आपके लिए लेकर आए हैं कई ऐसे विकल्प जिसका इस्तेमाल करके आप समय पर अपने क्रेडिट कार्ड का बिल चुका सकते हैं।

समय पर बिल न चुकाने का नुकसान

क्रेडिट कार्ड का बिल समय पर न चुकाने से एक नहीं अनेक संकट खड़े हो सकते हैं। सबसे बड़ी बात इससे आपका सिबिल स्कोर या क्रेडिट स्कोर खराब हो जाता है जिसकी वजह से भविष्य में बैंक लोन लेने अथवा नया क्रेडिट कार्ड बनवाने में खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। साथ ही समय पर बिल न चुकाने पर आपका कार्ड भी जारीकर्ता बैंक द्वारा ब्लॉक कर दिया जाता है। अगर बिल की अदायगी इसके बाद भी न की गई तो बैंक कानूनी कार्रवाई भी कर सकता है। इन सबसे हटकर सबसे बड़ी बात तो यह है कि निर्धारित अवधि में बिल की अदायगी न करने पर कार्ड जारीकर्ता बैंक द्वारा आपसे मोटा ब्याज वसूला जाता है। यह ब्याज 20 फीसद से लेकर 45 फीसद तक हो सकता है। चूंकि ब्याज की दर काफी ज्यादा होती है इसलिए क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम तेजी से बढ़ने लगती है। हालात यहां तक पहुंच जाते हैं कि चंद दिनों में 10 हजार रुपए की खरीदारी आपको एक लाख रुपए का देनदार बना देती है। इसलिए क्रेडिट कार्ड से खरीदारी उसी वक्त करें जब यह बहुत ज्यादा जरूरी हो। जैसे अभी आपके पास पैसे नहीं हैं और आपको बच्चे की स्कूल फीस जमा करनी है, बिजली बिल जमा करना है या घर के लिए राशन इत्यादि लाना है तो आप इस काम के लिए क्रेडिट कार्ड यूज कर सकते हैं। आइए अब हम आपको यह भी बताते हैं कि बिल के भुगतान के लिए आप कौन से तरीके इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड कंपनी से बंधवाएं किस्तें

अगर आप अपने क्रेडिट कार्ड का बिल जमा करने में किन्हीं कारणों से असमर्थ हैं तो आप अपनी क्रेडिट कार्ड कंपनी को एक ईमेल लिखें और इस मेल में अपने बकाया बिल की रकम की किस्तें बंधवाने का आग्रह अवश्य करें। आमतौर पर बैंक इस तरह के आवेदन को स्वीकार कर लेते हैं और बकाया रकम की अदायगी ईएमआई के जरिए करने की अनुमति दे देते हैं।

ले सकते हैं लोन

अगर आपने होम लोन ले रखा है तो, बीच में रेनोवेशन या किसी और कंस्ट्रक्शन के नाम पर आप टॉपअप लोन लेकर क्रेडिट कार्ड बिल की अदायगी कर सकते हैं। इसके अलावा पर्सनल लोन लेकर भी अपने कार्ड का बिल भर सकते हैं। टॉपअप लोन या पर्सनल लोन आपको उतने महंगे नहीं पड़ेंगे जितना महंगा लोन क्रेडिट कार्ड का होता है। बैंक से लिए गए कर्ज पर 11 से लेकर 18 फीसद तक ही ब्याज लग सकता है।

बीमा या निवेश के बदले हासिल करें कर्ज

अगर क्रेडिट कार्ड बिल की अदायगी की व्यवस्था हो पा रही है तो एक रास्ता और है। और वह रास्ता यह है कि जीवन बीमा पालिसी, म्यूचुअल फंड, एफडी या पीपीएफ को गिरवी रखकर बैंक लोन हासिल करें और क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान कर दें। बीमा, म्यूचुअल फंड, एफडी और पीपीएफ को बैंक लिक्विड गारंटी मानते हैं और इसपर तुरंत लोन मंजूर कर लेते हैं।

कैश में बदलें अपने रिवार्ड प्वाइंट

यह तो आप जानते ही होंगे कि क्रेडिट कार्ड से किसी भी तरह की खरीदारी पर यूजर को रिवार्ड प्वाइंट दिये जाते हैं। इस रिवार्ड प्वाइंट को अगर रिडीम कराया जाए तो साल में कई बार एक मोटी रकम हाथ लग जाती है। अगर किन्हीं कारणों से आपके पास फिलहाल पैसे नहीं हैं तो आप अपने रिवार्ड प्वाइंट के जरिए बिल का भुगतान कर सकते हैं।

अन्य क्रेडिट कार्ड से भी कर सकते हैं भुगतान

अगर आपके पास एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड हैं तो आप एक कार्ड से की गई खरीदारी का बिल दूसरे कार्ड से भी कर सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि आपको दूसरे कार्ड से बिल के भुगतान पर खर्च की गई रकम की अदायगी के लिए 45 दिन का समय और मिल जाता है।

■ (बिजनेस डेस्क)

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	टाई/अनि.	अंक	नेट रनरेट
न्यूजीलैंड	4	4	0	0/0	8	1.923
भारत	4	4	0	0/0	8	1.659
द. अफ्रीका	4	3	1	0/0	6	2.212
आस्ट्रेलिया	4	2	2	0/0	4	-0.193
पाकिस्तान	4	2	2	0/0	4	-0.456
बांग्लादेश	4	1	3	0/0	2	-0.784
नीदरलैंड	4	1	3	0/0	2	-0.790
श्रीलंका	4	1	3	0/0	2	-1.048
इंग्लैंड	4	1	3	0/0	2	-1.248
अफगानिस्तान	4	1	3	0/0	2	-1.250

सेमीफाइनल का दावा मजबूत करने के इरादे से उतरेंगे भारत-न्यूजीलैंड

धर्मशाला (भाषा)। लगातार चार जीत के साथ विजय रथ पर सवार मेजबान भारत और गत उप विजेता न्यूजीलैंड, अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही दो टीमों की जंग में, रविवार को यहां जीत के 'पंजे' के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने का दावा मजबूत करने के इरादे से उतरेंगे। भारत और न्यूजीलैंड दोनों ने अब तक अपने चारों मुकाबले जीते हैं और दोनों टीमों के समान आठ अंक हैं। न्यूजीलैंड की टीम हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर चल रही है जबकि भारत दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच होने वाले मुकाबले का विजेता लगातार पांचवीं जीत के साथ सेमीफाइनल का अपना दावा मजबूत करेगा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहद खराब शुरुआत के बावजूद छह विकेट की जीत के साथ टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज किया। रोहित शर्मा की टीम ने इसके बाद अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। टीम ने अपने चारों मुकाबले लक्ष्य का पीछा करते हुए जीते हैं और टूर्नामेंट में अब तक उसने निचले मध्यक्रम और निचले क्रम की परीक्षा नहीं हुई है।

■ मुकाबला आज दोपहर 2.00 बजे से

दूसरी तरफ न्यूजीलैंड ने अपने शुरुआती मैच में इंग्लैंड को नौ विकेट से रौंदने के बाद नीदरलैंड को 99 रन से हराया। टीम ने अपने अगले दो मुकाबलों में बांग्लादेश और अफगानिस्तान के खिलाफ भी क्रमशः आठ विकेट और 149 रन की आसान जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले भारत की सबसे बड़ी चिंता चोटिल ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम का संतुलन तलाशना होगी। पांड्या बांग्लादेश के खिलाफ भारत के पिछले मैच में गेंदबाजी के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए अपना दायां टखना चोटिल करा बैठे थे और मैच में सिर्फ तीन गेंद कर पाए। वह टीम के साथ धर्मशाला भी नहीं आए हैं। पांड्या की गैरमौजूदगी में यह तो तय है कि भारत को गेंदबाजी या फिर बल्लेबाजी विभाग में समझौता करना पड़ेगा। टीम के सामने यक्ष प्रश्न यह है कि वह पांड्या की जगह ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव में से एक को चुनकर बल्लेबाजी को मजबूत करे या फिर रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी में से किसी को खिलाकर गेंदबाजी आक्रमण में विविधता लाए।

भारत अगर ईशान या सूर्यकुमार को खिलाता है तो उसके पास गेंदबाजी में सिर्फ पांच विकल्प रह जाएंगे और ऐसी स्थिति में शारदुल ठाकुर को भी अपने कोटे के 10 ओवर पूरे करने होंगे। इसके विपरीत मेजबान टीम अगर अश्विन या शमी को खिलाकर गेंदबाजी को मजबूत करती है तो बल्लेबाजी क्रम कमजोर होगा और रविंद्र जडेजा को छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना होगा। भारत अगर एक विशेषज्ञ बल्लेबाज और एक विशेषज्ञ गेंदबाज को खिलाने का फैसला करना है तो फिर शारदुल को बारह बैठना पड़ सकता है। रोहित की अगुआई में भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। रोहित 265 रन बनाकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर और कोहली 129 के औसत से 259 रन के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

नीदरलैंड को हराकर श्रीलंका ने खोला खाता

लखनऊ।

सदीरा समरविक्रमा की साहसिक पारी के दम पर श्रीलंका ने नीदरलैंड पर पांच विकेट से जीत दर्ज करके आईसीसी वनडे विश्व कप में अपना खाता खोला। पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका को पीट करके बड़ा उलटफेर करने वाले नीदरलैंड ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर श्रीलंका के सामने 263 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा और इसके बाद उसके शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। इसके बाद सदीरा समरविक्रमा ने 107 गेंद पर सात चौकों की मदद से नाबाद 91 रन की पारी खेलकर श्रीलंका को 48.2 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचाया।

श्रीलंका के शीर्ष क्रम में पाथुम निसांका (52 गेंद पर 54 रन) ने उपयोगी योगदान दिया। समरविक्रमा ने उनके साथ तीसरे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी करने के बाद चरित असलंका (66 गेंद पर 44 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 77 रन जोड़कर जीत के लिए मंच तैयार किया। समरविक्रमा ने इसके बाद धनंजय डिसिल्वा (37 गेंद पर 30 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की जिससे श्रीलंका पांच विकेट पर 263 रन बनाकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की।

इससे पहले साइब्रैंड एंगलब्रेख्त ने 82

- सदीरा समरविक्रमा ने नाबाद 91 रन की पारी खेलकर नीदरलैंड की उम्मीदों पर पानी फेरा
- निसांका ने 54 रन बनाये
- श्रीलंका के मदुशंका और रजिता ने चटकाये चार-चार विकेट
- नीदरलैंड की पांच विकेट से हार

गेंद पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 70 रन बनाए जबकि लोगन वान बीक ने 75 गेंद पर 59 रन की पारी खेली। इन दोनों ने सातवें विकेट के लिए 130 रन की साझेदारी की जो विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। इससे नीदरलैंड ने खराब शुरुआत से उबरकर 49.4 ओवर में 262 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

श्रीलंका की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने पहले 10 ओवर में ही अनुभवी कुसाल परेरा (05) और कप्तान कुसाल मेंडिस (11) के विकेट गंवा दिए। इन दोनों को ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त (44 रन देकर तीन विकेट) ने आउट किया। निसांका ने बास डि लीडे पर लगातार तीन चौके जमाए जिनमें से दूसरे चौके से उन्होंने अर्धशतक पूरा किया, लेकिन पहले ड्रिंक्स के तुरंत बाद तेज गेंदबाज पॉल वान मीकरेन ने उन्हें विकेट के पीछे कैच आउट करा दिया। निसांका ने अपनी पारी में नौ चौके लगाए। समरविक्रमा और असलंका ने यहीं से बखूबी जिम्मेदारी संभाली और किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाई। दुशान हेमंता ने विजयी चौका लगाया।

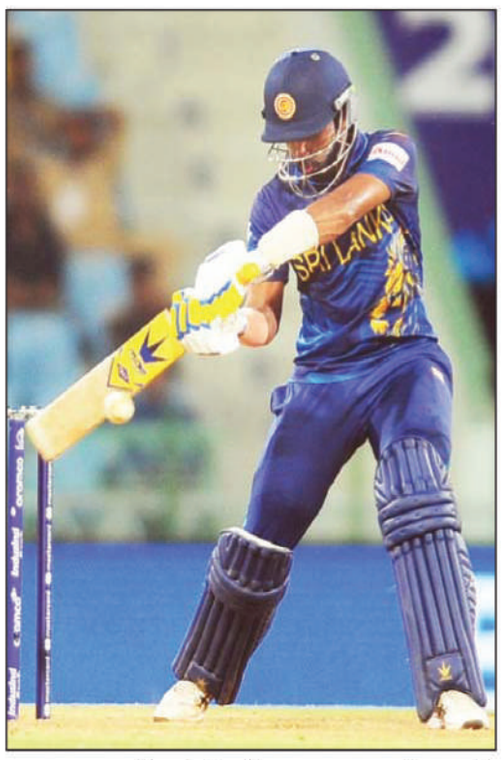

लखनऊ : बल्लेबाजी के दौरान आक्रामक शॉट लगाते श्रीलंका के सदीरा समरविक्रमा। फोटो : स्वपन पाल/एसएनबी

नीदरलैंड पर एक समय कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन एंगलब्रेख्त और वान बीक ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलकर अपने वनडे करियर में पहली बार अर्धशतक जमाए और सातवें विकेट के लिए विश्वकप में रिकॉर्ड साझेदारी निभाई। उन्होंने भारत के महेंद्र सिंह धोनी और रविंद्र जडेजा का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में 116 रन जोड़े थे। दक्षिण अफ्रीका में पले बढ़े 35 वर्षीय एंगलब्रेख्त और वान बीक ने 22वें ओवर में ऐसे समय में जिम्मेदारी संभाली जब नीदरलैंड कासुन रजिता और दिलशान मदुशंका से मिले झटकों के कारण 6 विकेट पर 91 रन के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था। मदुशंका और कसुन रजिता ने चार चार विकेट झटके वहीं महीश तीक्षणा को एक सफलता मिली।

स्कोर बोर्ड

नीदरलैंड -		44-1, हेमंता 8-0-42-0, डिसिल्वा 4-0-13-0	
विक्रमजीत सिंह पगबाधा रजिता	04	**श्रीलंका -**	
मैक्स ओडोड बो. रजिता	16	पथुम निसंका का. एडवर्डस बो. मीकेरेन	54
कोलिन एकरमैन का. मेंडिस बो. रजिता	29	कुसल परेरा का. डी लीडे बो. दत्त	05
बास डी लीडे का. परेरा बो. मदुशंका	06	कुसल मेंडिस का. मीकेरेन बो. दत्त	11
तेजा निदामानुरु पगबाधा मदुशंका	09	सदीरा समरविक्रमा नाबाद	91
स्कॉट एडवर्ड्स बो. तीक्षणा	16	चरिथ असलंका बो दत्त	44
साइब्रैंड एंगलब्रेख्त बो. मदुशंका	70	धनंजय डिसिल्वा बो. एकरमैन	30
लोगान वान बीक का. असलंका बो. रजिता	59	दुशान हेमंता नाबाद	04
रोलोफ वान डेर मर्व का. मेंडिस बो. मदुशंका	07	अतिरिक्त :	24
आर्यन दत्त नाबाद	09	**कुल** (48.2 ओवर में पांच विकेट पर)	**263**
पॉल वैन मीकेरेन रन आउट (मेंडिस/ मदुशंका)	04	**विकेट पतन:** 1-18, 2-52, 3-104, 4-181, 5-257	
अतिरिक्त :	33	**गेंदबाजी-** आर्यन दत्त 10-0-44-3, वैन बीक 10-0-57-0, मीकेरेन 8-1-39-1, डी लीडे 3-0-29-0, वान डेर 9-0-42-0, एकरमैन 8.2-0-39-1	
कुल : (49.4 ओवर में सभी आउट)	**262**		
गेंदबाजी- मदुशंका 9.4-1-49-4, रजिता 9-0-50-4, करुणारत्ने 9-1-58-0, तीक्षणा 10-0-			

सूर्यकुमार को अभ्यास के दौरान लगी चोट, किशन को मधुमक्खी ने मारा डंक

धर्मशाला (भाषा)। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप के बड़े मैच से पहले यहां एक और झटका लगा जब टीम के नेट सत्र के दौरान शनिवार को मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की दाहिने हाथ पर गेंद लग गयी। सूर्यकुमार को टीम के थ्रोडाउन विशेषज्ञ रघु की गेंद लगी, जिससे वह काफी दर्द में दिखे। वह अपने हाथ पर 'आइस पैक' लगाते नजर आए और उन्होंने इसके बाद बल्लेबाजी नहीं की। टीम सूत्रों के मुताबिक, सूर्यकुमार की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और उन्हें एक्स-रे जांच के लिए नहीं ले जाया गया है। इस चोट ने हालांकि रविवार के मैच के लिए सूर्यकुमार की उपलब्धता पर सवाल खड़ा कर दिया है।

भारत के लिए चीजें उस वक्त और मुश्किल हो गयी जब विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन को शनिवार को नेट अभ्यास के दौरान पर बल्लेबाजी करते समय मधुमक्खी ने उनकी गर्दन के पीछे डंक मार दिया। किशन नेट सत्र के लिए पहले पहुंचने वाले खिलाड़ियों में शामिल थे। उन्होंने काफी समय तक बल्लेबाजी। मधुमक्खी के डंक के बाद वह दर्द के कारण कराहते देखे गये। उन्होंने इसके बाद बल्लेबाजी नहीं की।

संक्षिप्त खबरें

ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे पिस्टल निशानेबाज

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज विशेष कर पिस्टल निशानेबाज रविवार से दक्षिण कोरिया के चांगवोन में शुरू होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए कोटा स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगे। भारतीय निशानेबाजों ने अभी तक पेरिस ओलंपिक के लिए सात कोटा स्थान हासिल किए हैं लेकिन इनमें कोई भी पिस्टल निशानेबाज शामिल नहीं है। ऐसे में सभी की निगाहें मनु भाकर, ईशा सिंह, रिदम सांगवान, पलक, अनीश भानवाला, विजयवीर सिद्धू और शिव नरवाल जैसे खिलाड़ियों पर रहेंगी। एशियाई चैंपियनशिप में कुल 24 कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे। पुरुष व महिला वर्ग में जहां सभी की निगाहें पिस्टल निशानेबाजों पर टिकी रहेंगी। वहीं 10 मीटर एयर राइफल के निशानेबाज दिव्यांश सिंह पंवार, ट्रैप निशानेबाज पृथ्वीराज टोंडिमान, किनान चेनाई व जोरावर सिंह को भी ओलंपिक में जगह बनाने का मौका मिलेगा।

मैककेन ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में विश्व रिकॉर्ड बनाया

बुडापेस्ट। ऑस्ट्रेलिया की तैराक कायली मैककेन ने बैकस्ट्रोक में अपना दबदबा कायम रखते हुए शुक्रवार को यहां विश्व कप प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर बैकस्ट्रोक में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। मैककेन ने 26.86 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने चीन की लियू जियांग के 2018 में बनाए गए 26.98 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। इस तरह से वह 50, 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली पहली महिला बन गई हैं। उन्होंने जुलाई में विश्व चैंपियनशिप में इन तीनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण हासिल किया था। 50 मीटर बैकस्ट्रोक ओलंपिक में शामिल नहीं है।

महिला जूडो लीग आज

लखनऊ। खेलो इंडिया महिला जूडो लीग 22 अक्टूबर को इंडियन पैरा जूडो अकादमी में किया जाएगा। इसमें सब जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की महिला जूडोका भाग ले सकती हैं। इस लीग में भाग लेने की इच्छुक खिलाड़ी घनश्याम मौर्य से अपने जन्म प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड सहित संपर्क कर सकते हैं। खेलो इंडिया महिला जूडो लीग प्रदेश के पांच शहरों में हो रही है। इसमें लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, मुरादाबाद में 22 अक्टूबर को एवं प्रयागराज में 25 अक्टूबर को आयोजन होगा।

लखनऊ : श्रीलंका के खिलाफ विकेट लेने के बाद खुशी मनाते नीदरलैंड के खिलाड़ी।

दक्षिण अफ्रीका की इंग्लैंड पर जोरदार जीत

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी विश्व कप मैच में शनिवार को यहां इंग्लैंड को 229 रन के बड़े अंतर से शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सात विकेट पर 399 रन बनाने के बाद इंग्लैंड की पारी को 22 ओवर में 170 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड के रीस टॉपली ने बल्लेबाजी नहीं की। इंग्लैंड का शीर्षक्रम पूरी तरह फ्लाप रहा। सिर्फ निचले क्रम में मार्क वुड ने नाबाद 43 रन और गस एटकिंसन ने 35 रन ही उल्लेखनीय योगदान कर सके। दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्जी ने तीन विकेट चटकाये।

इससे पहले हेनरिच क्लासेन की आतिशी शतकीय पारी और मार्को यानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 77 गेंद में 151 रन की साझेदारी से दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट पर 399 रन का स्कोर खड़ा किया। यह विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका का सर्वोच्च स्कोर है। क्लासेन ने अपनी चौथी शतकीय पारी के दौरान चार छक्के और 12 चौके जड़े। उन्होंने 67 गेंद में 109 रन बनाये। यानसेन ने 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और छह छक्के की मदद से 75 रन बनाये। यह उनके करियर का पहला अर्धशतक है। रीजा हेंड्रिक्स (75 गेंद में 85 रन) और रासी वेन डर डुसेन (61 गेंद में 60 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। क्लासेन को उमस भरी गर्मी में अपनी पारी के दौरान नियमित रूप से तरल पदार्थ के सेवन करते देखा गया। दूसरी ओर इंग्लैंड के कुछ गेंदबाजों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। क्लासेन ने मार्क वुड के खिलाफ छक्का और चौका लगाकर पारी के 47वें ओवर में 61 गेंद में इस साल का अपना तीसरा शतक पूरा किया। क्लासेन और यानसेन ने छठे विकेट के लिए सिर्फ 77 गेंदों पर 151 रन जोड़े। नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा के बीमार पड़ने और क्विंटन डिकॉक के जल्दी आउट होने के कारण दक्षिण अफ्रीका को दमदार बल्लेबाजी की जरूरत थी। इस काम को क्लासेन और यानसेन की जोड़ी ने बाखूबी करके दिखाया।

■ हेनरिच क्लासेन ने जड़ा आतिशी सैकड़ा

शतक जड़ने के बाद खुशी जताते हेनरिच क्लासेन

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका :		जॉनी बेयरस्टो का. डुसेन बो. एनगिडी	10
क्विंटन डिकॉक का. बटलर बो. टॉपली	04	डाविड मलान का. डिकॉक बो. यानसेन	06
रीजा हेंड्रक्स बो. रशीद	85	जो रूट का. मिलर बो. यानसेन	02
रासी वान डेर डुसेन का. बेयरस्टो बो. रशीद	60	बेन स्टोक्स का. एवं बो. रबाडा	05
एडेन मार्कराम का. बेयरस्टो बो. टॉपली	42	हैरी ब्रुक्स पगबाधा कोएट्जी	17
हेनरिच क्लासेन बो. एटकिंसन	109	जोस बटलर का. डिकॉक बो. कोएट्जी	15
डेविड मिलर का. स्टोक्स बो. टॉपली	05	डेविड विली का. रबाडा बो. एनगिडी	12
मार्को यानसेन नाबाद	75	आदिल रशीद का. हेंड्रिक्स बो. कोएट्जी	10
गेराल्ड कोएट्जी का.लिविंगस्टोन बो. एटकिंसन	03	गस एटकिंसन बो. महाराज	35
केसव महाराज नाबाद	01	मार्क वुड नाबाद	43
अतिरिक्तः	15	रीस टॉपली एक्सेंट हर्ट	00
कुल : (50 ओवर में सात विकेट पर)	**399**	अतिरिक्तः	15
विकेट पतनः 1-4, 2-125, 3-164, 4-233, 5-243, 6-394, 7-398		**कुल :**	**170**
गेंदबाजी- टॉपली 8.5-0-88-3, विली 9-1-61-0, रूट 6.1-0-48-0, एटकिंसन 9-0-60-2, वुड 7-0-76-0, रशीद 10-0-61-2		**विकेट पतनः** 1-18 , 2-23, 3-24, 4-38, 5-67, 6-68, 7-84, 8-100, 9-170	
इंग्लैंड :		**गेंदबाजी-** एनगिडी 5-0-26-2, यानसेन 5-0-35-2, रबाडा 6-1-38-1, कोएट्जी 4-0-35-3, महाराज 2-0-27-1	

दिल्ली और मुंबई की आसान जीत

देहरादून (भाषा)। युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने शनिवार को देहरादून में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के ग्रुप ई मैच में 24 गेंदों में 51 रन की पारी खेलकर कर्नाटक पर दिल्ली को आठ विकेट से जीत दिलायी। कर्नाटक ने देवदत्त पडिक्कल (04), मयंक अग्रवाल (15) और मनीष पांडे (17) जैसे सितारों के सस्ते में आउट होने से पांच विकेट पर 136 रन का स्कोर बनाया। अभिनव मनोहर (नाबाद 44) और मनोज भंडागे (21) ने 58 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश ने भारतीय खिलाड़ी प्रसिद्ध कृष्णा पर दो छक्के और तेज गेंदबाज विशाल विजयकुमार पर लगातार चार चौके जड़े। उन्होंने अनुभवी ऑफ स्पिनर कृष्णप्पा गौतम की गेंद पर भी छक्का लगाया। उन्होंने अनुज रावत (38) के साथ छह ओवर में 72 रन की साझेदारी कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इसके बाद कप्तान यश ढुल ने 26 गेंद में नाबाद 32 रन बनाकर टीम को 16.5 ओवर में जीत दिला दी। बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी को तीन विकेट चटकाये जबकि धवल कुलकर्णी और मोहित अवस्थी को दो-दो विकेट लिये।

मुंबई ने जयपुर में ग्रुप ए के मैच में जम्मू-कश्मीर को 101 रन पर आउट करके 138 रन के छोटे स्कोर का बचाव किया। मुंबई के लिए यशस्वी जयसवाल ने 36 गेंदों में 50 रन बनाए, जबकि कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 31 रन का योगदान दिया।

विदर्भ ने मोहाली में ग्रुप डी के मैच में बंगाल को सात विकेट से हराया। विदर्भ के लिए उमेश यादव ने पांच विकेट लिये जबकि करुण नायर ने 52 गेंद में नाबाद 95 रन बनाये। बंगाल की टीम आठ विकेट पर 212 रन बनाने के बाद भी 13 गेंद शेष रहते मैच हार गयी।

मारिन से हारकर पीवी सिंधु बाहर

ओडेन्से, डेनमार्क (भाषा)। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु शनिवार को यहां डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में स्पेन की अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी कारोलिना मारिन से तीन गेम में हार कर बाहर हो गई। यह मुकाबला एक घंटे 13 मिनट तक चला जिसमें सिंधु को 18-21, 21-19, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। मैच के दौरान दोनों खिलाड़ियों में शाब्दिक जंग भी देखने को मिली जिससे दोनों को पीले कार्ड भी मिले। भारतीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सिंधु पिछले सप्ताह फिनलैंड में आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी लेकिन वह इससे आगे बढ़ने में नाकाम रही थी। सिंधु की मारिन के हाथों यहां लगातार पांचवीं हार है। स्पेन की खिलाड़ी ने उन्हें 2016 में रियो ओलंपिक के फाइनल और 2018 में विश्व चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में भी हराया था। सिंधु और मारिन इससे पहले एक दूसरे की तारीफ करते रहे हैं लेकिन शनिवार को कोर्ट पर ऐसा कुछ नहीं देखने को मिला। अंपायर ने दोनों को कई बार चेतावनी दी और आखिर में उनको पीला कार्ड दिखाना पड़ा।

■ दोनों को मिला पीला कार्ड

अंपायर ने उन्हें अंक हासिल करने पर जश्न मनाने का तरीका बदलने को भी कहा। मारिन इसके बाद भी चिल्लाती रही और जश्न मनाती वही जबकि सिंधु को सर्विस लेने में देर करने के कारण दो बार चेतावनी दी गई। मारिन ने पहला गेम जीतने के बाद जोर-जोर से चिल्ला कर जश्न मनाया इसके लिए उन्हें चेतावनी भी मिली। सिंधु ने दूसरा गेम जीत कर वापसी की। निर्णायक गेम में अंपायर ने सिंधु को सर्विस लेने के लिए जल्दी तैयार नहीं होने पर चेतावनी दी। इस पर सिंधु को अंपायर से यह कहते हुए सुना गया,'आपने उसे ज़ोर से चिल्लाने की अनुमति दे रखी है, पहले उसे समझाओ और तब मैं तैयार हो जाऊंगी।' इसके तुरंत बाद शटल सिंधु के कोर्ट में गिर गई और दोनों इसे लेने के लिए गई। यहां पर भी दोनों के बीच नोक झोंक हुई। अंपायर ने तब दोनों खिलाड़ियों को बुलाकर पीला कार्ड दिखाया और मारिन को सिंधु की तरफ गिरी हुई शटल नहीं उठाने के लिए भी कहा।

सिंधु ने कहा कि उनकी प्रतिद्वंद्वी ने 'गलती की थी' लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिद्वंद्विता खेल के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि आज लगा कि कोर्ट में थोड़ी अधिक प्रतिद्वंद्विता थी लेकिन मुझे लगा कि मारिन अपनी ओर से गलत थी।' सिंधु के लिए यह साल अब तक अच्छा नहीं रहा है लेकिन उन्होंने कहा कि यूरोप में खेले गए पिछले दो टूर्नामेंट से काफी आत्मविश्वास मिला है।

लाला रामस्वरूप और दयानंद गर्ल्स इंटर कालेज को खिताब

लखनऊ (एसएनबी)। लाला रामस्वरूप इंटर कालेज, बंथरा और दयानंद गर्ल्स इंटर कालेज, महानगर ने जनता गर्ल्स इंटर कालेज आलमबाग लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित जनपदीय माध्यमिक विद्यालय बालिका कबड्डी (अंडर-14, अंडर-19) प्रतियोगिता के खिताब जीत लिये। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्या हेमलता व एथलेटिक्स कोच पीएन मिश्रा ने किया। समापन व पुरस्कार वितरण वूमेन आर्मी ट्रस्ट संस्था की रश्मि सिंह, रुचि रस्तोगी, मनोज, राधा रस्तोगी ने किए।

बालिका अंडर-14 के फाइनल मुकाबले में दयानंद गर्ल्स इंटर कालेज, महानगर ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय, सरौसा भरौसा को और बालिका अंडर-19 के फाइनल मैच में लाला रामस्वरूप इंटर कॉलेज, बंथरा ने जनता गर्ल्स इंटर कालेज, आलमबाग को हराया।

पैरा एशियाई खेलों में भारत की नजर पदकों के रिकार्ड पर

हांगझोउ (भाषा)। टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखरा और सुमित अंतिल रविवार से शुरू होने वाले एशियाई पैरा खेलों में भारत के अब तक के सबसे बड़े दल का नेतृत्व करेंगे। सक्षम एथलीटों द्वारा ऐतिहासिक सफलता हासिल करने के एक पखवाड़े बाद शुरू हो रहे पैरा एशियाई खेलों से भी देश को रिकॉर्ड पदकों की उम्मीद होगी। टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने वाली अवनि के साथ भाला फेंक खिलाड़ी अंतिल देश के सबसे बड़े पदक दावेदारों में से एक होंगे। अंतिल ने भी टोक्यो में स्वर्ण जीता था। पैरा निशानेबाज मनीष नरवाल के साथ-साथ बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत और कृष्णा नागर ने भी पैरालंपिक में शीर्ष स्थान हासिल किया था। हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 313 भारतीय एथलीटों में शामिल होंगे। भारत 22 खेलों में से 17 में भाग ले रहा है।

■ देश पहली बार रोइंग, कैनोइंग, लॉन बॉल, ताइक्वांडो और ब्लाइंड फुटबॉल में चुनौती पेश करेगा

देश पहली बार रोइंग, कैनोइंग, लॉन बॉल, ताइक्वांडो और ब्लाइंड फुटबॉल में चुनौती पेश करेगा। पैरा खेलों में 43 देशों के लगभग 4,000 एथलीट 566 स्वर्ण पदक स्पर्धाओं में 22 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। पैरा एशियाई खेल मूल रूप से नौ से 15 अक्टूबर, 2022 तक होने वाले थे, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसे एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। पहला पैरा एशियाई खेल 2010 में चीन के ग्वांगझोउ में आयोजित किया गया था, जहां भारत एक स्वर्ण सहित 14 पदकों के साथ 15वें स्थान पर रहा था। 2014 और 2018 सत्र में भारत क्रमशः 15वें और नौवें स्थान पर रहा था। टोक्यो पैरालंपिक में भाग लेने वाले 54 एथलीटों में से 51 हांगझोउ में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत यहां अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदक की उम्मीद कर रहा है। भारत ने 2018 पैरा एशियाई खेलों में 72 पदक (15 स्वर्ण, 24 रजत, 33 कांस्य) जीते, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ है। देश में खेल की नियामक संस्था भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) को 100 पदक के आंकड़े को छूने की उम्मीद है। यह आंकड़ा अगर हासिल होता है तो वे सक्षम खिलाड़ियों के आंकड़े के करीब पहुंचेंगे। भारत ने एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 107 पदक जीता था।

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

यह सच है कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। राम भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसते हैं। दुनिया के सांस्कृतिक परिदृश्य में अगर भारत का कोई ग्रंथ और उसका नायक देश का प्रतिनिधित्व करता है, तो वह ग्रंथ 'रामायण' है और वह उदात्त नायक श्रीराम ही हैं। लेकिन भारतवर्ष में ही नहीं दुनिया भर के अनेक देशों और संस्कृतियों में भी श्रीराम और उनकी कथाएं समाई हुई हैं।

श्रीराम संपूर्ण विश्व के सांस्कृतिक नायक

नवरात्र के दौरान अपने देश के कोने-कोने में रामकथाओं का गायन, वाचन और मंचन आरंभ हो जाता है। पूरा माहौल राममय हो जाता है, लेकिन सच यह है कि श्रीराम भारत के सांस्कृतिक नायक भी हैं। हर भारतवासी के मन में वे विराजमान हैं। उनका चरित्र ही ऐसा विलक्षण और उदात्त है कि वे किसी एक देश, धर्म और संस्कृति की सीमाओं में नहीं समेटे जा सकते हैं। यही वजह है कि आज भी दुनिया के अनेक देशों में उनके चरित्र और लीलाओं का गुणगान किया जाता है।

अनेक देशों में हैं सम्माननीय

विश्व के कई देशों में बकायदा रामलीलाओं का मंचन होता है- थाईलैंड, श्रीलंका और जापान के लोगों में रामलीलाओं को लेकर वैसी ही उत्सुकता और श्रद्धाभाव होता है, जैसे भारतीयों में होता है। राम दुनिया के ऐसे अकेले नायक या कहें आख्यान पुरुष हैं, जिनके प्रति पूरे विश्व के लोग अनुकरणीय भाव रखते हैं, क्योंकि पूरे संसार में राम अकेले ऐसे परम पुरुष हैं, जो समस्त मानवीय मर्यादाओं का पालन करते हैं। शायद यही कारण है कि कभी भी दुनिया के किसी आतंकी या अलगाववादी संगठन ने राम और रामायण के प्रति किसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं किया, कभी किसी संगठन ने उनका अपमान नहीं किया।

बाली में रामलीला का मंचन

हर दौर में मिली स्वीकृति

जापान के सबसे कट्टर आतंकी संगठन रेड आर्मी, एक जमाने में जापान में सभी तरह की धार्मिक गतिविधियों का विरोध करता था, लेकिन उसने भी स्कूलों, कॉलेजों से लेकर थिएटरों तक में होने वाली रामकथाओं के मंचन का कभी विरोध नहीं किया था। धर्म को अफीम मानने वाले और सभी तरह के धार्मिक रिचुअल्स पर एक जमाने में प्रतिबंध लगाने वाले सोवियत संघ में, उन दिनों भी मास्को से लेकर कीव तक रामकथाओं वाली बैले नाटिकाएं अबाध ढंग से होती थीं। किंवदंती की तरह मशहूर महिला जासूस और क्लासिक डांसर माताहारी ने

सभी रखते हैं श्रद्धाभाव

आधुनिक दुनिया में सदियों से रामकथा किसी ना किसी रूप में प्रचारित-प्रसारित रही है। दक्षिण और पूर्वी एशिया के तो लगभग सभी देशों में रामलीला होती है। थाईलैंड, श्रीलंका और जापान में पूरे साल किसी ना किसी रूप में रामकथाओं का वाचन, मंचन होता रहता है। ये सभी लोग जो दुनिया के अलग-अलग कोनों में रामचरित का वाचन, मंचन करते रहते हैं, ये सब ना तो हिंदू होते हैं और ना ही हिंदू धर्म को मानने वाले ही होते हैं। ये अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग होते हैं, फिर भी इन लोगों में राम के प्रति और रामायण के प्रति अगाध श्रद्धाभाव होता है तो इसलिए क्योंकि भगवान राम ने मानव अवतार में ऐसा मानवीय आदर्श प्रस्तुत किया, जो अतुलनीय है। विदेशों में जो रामलीलाएं होती हैं, निःसंदेह इनमें काफी बड़ी संख्या हिंदुओं की भी भागीदारी होती है, लेकिन दूसरे धर्म और विश्वास के लोग भी विदेशों में रामलीला खेलने और देखने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

राम-सीता की भूमिका निभाते इंडोनेशिया के कलाकार

विभिन्न संस्कृतियों में समाए राम

हालांकि हमारे देश में नई पीढ़ी की रुचि रामलीलाओं में कम हो रही है, लेकिन बाली, टोकियो और फुकेट में इसका जबर्दस्त क्रेज है। यह क्रेज किस हद तक आत्मीय है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इन रामकथाओं में अनेक स्थानीय संदर्भ भी जोड़ लिए गए हैं। खुद भगवान राम का रूप रंग और देहयष्टि तक स्थानीय हो गई है। इन देशों में भले कभी राम को और रामकथाओं को भारतीयों द्वारा लाया गया हो, लेकिन आज ये इनकी अपनी हैं। इन रामलीलाओं और रामकथाओं के चलते स्थानीय लोगों ने किसी हद तक भारतीय संस्कृति को भी अपनाया है। मसलन दक्षिण पूर्व एशिया में एकमात्र लैंडलॉक्ड (स्थलबद्ध) देश लाओस है, जो 1953 में फ्रांसीसी गुलामी से मुक्त हुआ था और लंबे समय तक यहां साम्यवाद रहा है। लेकिन लाओस की संस्कृति में राम और रामलीलाएं घुली-मिली हैं, जिसका कभी भी विरोध नहीं हुआ, ना ही इसे लेकर किसी तरह का कभी तनाव हुआ। इस देश में सदियों से वाल्मीकि रामायण का मंचन होता है। यहां रामायण गानों की तरह गाई, बजाई जाती हैं।

बनता है सांस्कृतिक उल्लास का अवसर

मॉरीशस में तो रामकथा वैसे ही गाई जाती है जैसे वाल्मीकि रामायण में जिक्र आता है कि लव और कुश, राम की कथा को गाकर सुनाया करते थे। मॉरीशस में भी इसे सरकार का संरक्षण प्राप्त है। मॉरीशस में सरकारी खर्च पर हर साल सांस्कृतिक मंत्रालय रामलीला का मंचन कराता है और पूरे साल गायकों द्वारा झाल, ढोलक और खड़ताल पर दो गायक लव और कुश की तरह घूम-घूमकर रामकथा का गायन प्रस्तुत करते हैं। यहां इस कदर रामायण का क्रेज है कि हर साल भारत से अनेक कलाकारों को बुलाकर रामलीला कराई जाती है। कंबोडिया, थाईलैंड, म्यांमार और इंडोनेशिया भी रामकथा के बड़े सघन गढ़ हैं। इन सभी देशों में मुख्य सांस्कृतिक गतिविधि के रूप में रामकथा और रामलीलाओं का गायन, वाचन और मंचन होता है। इंडोनेशिया तो इस्लामिक देश है, लेकिन वहां के लोग गर्व से हमारी संस्कृति को अपनाते हैं। रामकथा को इंडोनेशिया में भी सरकारी संरक्षण प्राप्त है। यह लंबी परंपरा बताती है कि राम और रामलीलाओं का सदियों पहले से ही पूरे विश्व में प्रभाव रहा है। *

सदियों से हो रहा रामकथा का मंचन

डच प्रभाव वाले सूरीनाम देश में भी कई सदियों से रामलीला का मंचन होता है और यहां तो मुख्य रामलीला का सीधा राष्ट्रीय प्रसारण भी होता है। डच प्रभाव वाली इस रामलीला के नायक भगवान राम का नाम रामत्जांढे और सीता का नाम सियेता होता है। इस रामलीला का पूरा टेक्स्ट हिंदी, संस्कृत और डच के समान मिश्रण से तैयार होता है। इसी तरह जापान में भी रामलीलाओं का नृत्य नाटिकाओं के रूप में प्रदर्शन सदियों से होता रहा है। यहां तक कि चीन भी रामकथाओं और रामलीलाओं का अपनी तरह से मंचन करता है। भले भारत और चीन के रिश्ते बेहतर ना हों और चीन सांस्कृतिक रूप से काफी कट्टर हो, लेकिन चीन में राम और रामलीलाओं के प्रति गहन अनुराग देखने को मिलता है। जापान में 12वीं सदी में जो रामकथा होबुत्सुशू के रूप में निर्मित हुई थी, वह वास्तव में चीनी भाषा से बनी थी। वैसे यह भी कहा जाता है कि यह पहले से ही चीनी ग्रंथ छह पारमितासूत्र से ली गई है और चीनी भाषा का ग्रंथ छह पारमितासूत्र चीनी भाषा के ही एक प्राचीन ग्रंथ अनामकंजातक पर आधारित है। *

विजय दशमी विशेष

रावण के दंभ के अंत का पर्व दशहरा

सदियों से हम सब विजय दशमी या दशहरे के अवसर पर रावण के पुतले का दहन करते हैं। वास्तव में यह किसी व्यक्ति के अंत का पर्वोल्लास नहीं, बल्कि उस व्यक्ति में निहित दुष्प्रवृत्तियों के अंत का उत्सव है। वैसे, रावण में भी ऐसी कई विशिष्टताएं थीं, जिनके बारे में हमें पता होना चाहिए।

{ निहितार्थ / रंगनाथ द्विवेदी }

यह सही है कि प्रत्येक वर्ष दशहरे के दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता है। लेकिन हम यह ना भूलें कि इस पर्व पर रावण का केवल 'खल चरित्र' जलाया जाता है, उसकी प्रकांड विद्वता नहीं।

प्रकांड ज्ञानी-अनन्य शिवभक्त : रावण दंभी होने के साथ एक प्रकांड विद्वान और परम ज्ञानी ब्राह्मण भी था। आज भी संस्कृत पढ़ने वाले यह जानते हैं कि रावण ने संस्कृत के कुल 13 ग्रंथों की रचना की, जिसमें से 'रावण संहिता' रावण का सर्वाधिक चर्चित ग्रंथ है। रावण आज भी ब्राह्मण शिरोमणि माना जाता है। रावण ने पौरोहित्य कर्म और धर्म को असीम ऊंचाई प्रदान की। आज भी रावण का पौरोहित्य कर्म अन्य पौरोहित्य कर्म करने वालो के लिए अनुकरणीय है। वह भगवान शिव का अनन्य भक्त और उपासक था। भगवान शिव की स्तुति में रचित 'शिव तांडव स्त्रोत', सदियों से शिवभक्त गाते आ रहे हैं। उसने दस बार अपना शीश काटकर भगवान शिव के श्री चरणों में अर्पित कर दिया था। इसी से रावण का एक नाम दशानन भी पड़ा। भगवान शिव ने रावण की इस कठोर तपस्या से प्रसन्न हो उसे वरदान स्वरूप अमृत प्रदान किया था। उसी अमृत की वजह से प्रभु श्रीराम, रावण को युद्ध में परास्त नहीं कर पा रहे थे। तब रावण की अनुचित नीतियों का घोर विरोधी उसके अपने सगे भाई विभीषण, जो कि भगवान श्रीराम का अनन्य भक्त भी था, ने प्रभु श्रीराम को रावण के नाभि में तीर मारने की सलाह दी और इस तरह रावण पराजित हो गया।

सीताजी को रखा सुरक्षित : रावण, सीताजी का हरण तो करता है, लेकिन उनके शील और स्त्रीत्व की रक्षा वह अपने राज्य और स्वयं के परिवार की स्त्रियों से कहीं ज्यादा की। वह सीताजी को उस अशोक वाटिका में रखता है, जहां माता सीता को किसी भी प्रकार का कोई शोक ना हो। इतना ही नहीं उसने मां सीता की देखभाल के लिए जिस त्रिजटा नाम की राक्षसी को लगाया था, वह स्वयं प्रभु श्रीराम की अनन्य भक्त थी। इस लिहाज से रावण का चरित्र बहुत ऊंचा था।

मृत्युशैय्या पर लक्ष्मणजी को दी शिक्षा : श्रीराम और रावण के युद्ध में जब प्रभु श्रीराम का चलाया हुआ तीर रावण की नाभि में लगता है, तब उस महाज्ञानी और परमयोद्धा रावण के मुंह से 'श्रीराम' निकलता है। यह सुनते ही प्रभु श्रीराम की आंखों से आंसू बहने लगते हैं। श्रीराम के इस भावातिरेक को देखकर लक्ष्मण को घोर आश्चर्य होता है। अभी लक्ष्मण इस आश्चर्य के भंवर से निकल भी नहीं पाते कि तभी प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण से कहते हैं, 'हे लक्ष्मण! इस परम ज्ञानी और ब्राह्मण शिरोमणि रावण से उसके अंतिम समय में शिक्षा ले सकते हो।'

यह सुनकर लक्ष्मणजी बिना किसी सवाल-जवाब के रावण के सिरहाने जाकर खड़े हो गए, लेकिन जब कुछ देर तक लक्ष्मण के खड़े रहने के बावजूद भी रावण कुछ नहीं बोला तो लक्ष्मणजी को क्रोध आ गया और उन्होंने प्रभु श्रीराम के पास वापस आकर कहा, 'प्रभु आप देख रहे हैं, मरते समय भी इसकी अकड़ खत्म नहीं हुई है और ऐसे में आप इसे परम ज्ञानी और परम विद्वान ब्राह्मण कह रहे हैं!' तब प्रभु श्रीराम ने मुस्कुराते हुए लक्ष्मण से कहा, 'हे लक्ष्मण! किसी से शिक्षा लेते समय उसके सिरहाने नहीं बल्कि पैरों की तरफ खड़ा हुआ जाता है, इस बार तुम रावण के पांवों की तरफ जाकर खड़े हो।'

लक्ष्मणजी द्वारा ऐसा करने पर रावण ने लक्ष्मण को कई मूल्यवान उपदेश दिए। उसने कहा, 'हे लक्ष्मण! किसी भी शुभ कार्य में विलंब नहीं करना चाहिए। दंभ व्यक्ति के नाश का कारण बनता है। आज तुम्हारे सामने जो रावण मर रहा है और जिसकी वजह से उसके कुल का नाश हुआ, वह रावण का दंभ ही था। इसलिए कभी दंभ नहीं करना चाहिए।'

सच! रावण ने अपने मरते समय भी शिक्षा देने और लेने के मापदंड की मर्यादा का पूर्णतः पालन किया। इसलिए माना जा सकता है कि रावण परमज्ञानी था। *

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

आज का रावण

'दादा जी, आप तो यही कहते हैं, श्रीराम ने रावण को मार दिया था, इसलिए दशहरा मनाया जाता है, लेकिन वो तो ....?' पौत्री स्वाति ने यह कहते हुए लंबी सांस भरी।

'लेकिन वो तो क्या... स्वाति बेटी। हां, रावण का तो कभी का अंत रामजी ने कर दिया था। दशहरा का पर्व हम इसलिए तो मनाते हैं।' दादाजी ने फिर अपनी बात बच्ची के सामने दोहराई।

'लेकिन दादी मां तो अकसर अखबार पढ़ते हुए बड़बड़ाया करती हैं कि इस शहर से न जाने कब रावण का अंत होगा?' स्वाति ने अपने दादाजी से अगला प्रश्न किया।

यह प्रश्न सुनकर दादाजी पहले तो चौंके फिर गंभीर स्वर में बोले, 'बेटी, अखबार में किसी न किसी अत्याचारी की खबर छपती रहती है, इसलिए तुम्हारी दादी बड़बड़ाती रहती हैं। दरअसल, बेटा इस कलियुगी युग में रावण को मौत की सजा नहीं मिलती, वह बड़ी चतुराई से अपने जीने के लिए जमानत

पा लेता है।'

नन्ही स्वाति जमानत-वनामत जैसी बात कुछ समझ न सकी, लेकिन उसने अपने दादाजी के चेहरे पर साफ-साफ एक तकलीफ देखी। इसलिए उसने आगे कोई और सवाल नहीं किया। *

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

उस कोठी की खिड़की पर दोनों भाई-बहनों की नजरें सुबह से ही टिक जाया करती थीं। दरअसल, इस कोठी की खिड़की से अकसर खाने की तरह-तरह की चीजें गिरती रहतीं, जिस पर ये बच्चें जानवरों के मुंह लगने से पहले झपट लेते और बड़े चाव से खाते, क्योंकि सूखी रोटी के अलावा इन्हें कभी कुछ नसीब नहीं होता था।

एक दिन कोठी की मालकिन सारिका ने देखा कि खिड़की के आस-पास दो बच्चे बहुत देर से चहल-कदमी कर रहे हैं। सारिका ने कड़क आवाज में पूछा, 'यहां क्या कर रहे हो?'

दोनों बच्चे सहम से गए। लड़की थोड़ी हिम्मत जुटाकर बोली, 'आंटी जी, इस खिड़की से कुछ न कुछ खाने की चीजें गिरती रहती हैं, जिसे हम उठाकर खाते हैं पर दो दिन से खिड़की से कुछ भी नहीं गिरा।'

सारिका बच्ची की बात सुनकर हक्की-बक्की रह गई। दूसरे पल उसे पूरा माजरा समझते देर नहीं लगी। दरअसल, घर की खिड़की से ही उसका बेटा राहुल खाने की चीजें चुपके से बाहर फेंकता है, जिसे उठाकर ये बच्चे बड़े चाव से खाते हैं। अब दो दिन से राहुल की तबीयत ज्यादा खराब है, डॉक्टर ने उसे सिर्फ लिक्विड देने को कहा है। इसलिए राहुल अब खाने-पीने की चीजें खिड़की से बाहर नहीं फेंक रहा था। सारिका ने मन में सोचा कि भगवान की लीला भी अजीब है, जिसे खाने के लिए उसने सब कुछ दिया है, वो खा नहीं सकता और जो खा सकता है, उसे खाने के लाले पड़े हैं। पता नहीं सारिका को क्या सूझा, उसने दोनों बच्चों को अपने घर के भीतर बुलाया और पास बैठाकर भरपेट खाना खिलाया। वह प्यार से बच्चों से बोली, 'तुम लोगों को नीचे का गिरा हुआ खाना खाने की जरूरत नहीं है, जब भूख लगे, यहां आ जाया करो। मेरा बेटा तो खा नहीं सकता, तुम लोगों को खिलाकर शायद मेरे मन को कुछ सुकून मिले।' कहते हुए सारिका रो पड़ी।

'क्या हुआ आपके बेटे को आंटी?' लड़के ने बड़े मासूमियत से पूछा।

'मेरे बेटे को दिल की बीमारी है। पता नहीं वो जी पाएगा भी या नहीं?' सारिका भर्राई हुई आवाज में बोली।

सारिका को वह दिन याद आ गया, जिस दिन राहुल के टीचर का फोन आया था, 'आप राहुल की मम्मी बोल रही हैं?' 'हां, मैं राहुल की मम्मी ही बोल रही हूं, क्या बात है?' सारिका बेचैन हो उठी।

'पीटी करते समय आपका बेटा राहुल बेहोश होकर गिर पड़ा। हम लोग इसे सिटी हॉस्पिटल लेकर आए हैं। आप तुरंत आ जाइए। ऐसे घबराने की कोई बात नहीं है, अब वह होश में है।' राहुल की टीचर ने बताया।

'बच्चों का आप लोग जरा भी ध्यान नहीं रखते। धूप में पीटी करवा रहे होंगे।' सारिका गुस्से से बोली।

'धूप हो या छांव, पीटी तो रोज ही होती है मैडम। थोड़ा-बहुत फिजिकल एक्टीविटीज भी जरूरी है न। सभी बच्चे तो इसी धूप में पीटी कर रहे हैं न। हो सकता है आपके बच्चे को कोई मेडिकल प्रॉब्लम हो।' उधर से टीचर बोलीं।

प्रत्युत्तर में सारिका ने गुस्से में फोन रख दिया, तुरंत सिटी हॉस्पिटल पहुंचीं। रास्ते में उसने अपने पति राकेश को भी इंफॉर्म कर दिया। वह भी भागे-भागे हॉस्पिटल आ गए। पूरा चेकअप कराने के बाद डॉक्टर ने बताया कि राहुल को दिल की बीमारी है। दोनों पति-पत्नी पर जैसे वज्रपात हो गया। कितनी मन्नतों के बाद राहुल का जन्म हुआ था। अपने एकलौते बेटे का हाल जानकर दोनों सिहर गए। इसके बाद दूसरे दिन से ही शुरू हुआ एक हॉस्पिटल से दूसरे हॉस्पिटल का चक्कर। शहर के सबसे बड़े हार्ट स्पेशलिस्ट से राहुल का इलाज शुरू हुआ।

यह सब सोचते हुए सारिका की आंखें भर आईं।

'मत रोइए आंटी, आपका बेटा ठीक हो जाएगा। हम आपके बेटे के लिए भगवान से दुआ करेंगे।' बच्ची की आवाज से सारिका वर्तमान में लौट आई। उसकी आवाज में इतनी आत्मीयता थी, वह भावुक हो गई।

अगले सप्ताह डॉक्टर ने राहुल के ऑपरेशन की डेट दे रखी थी। देखते ही देखते वो दिन भी आ गया। डॉक्टर ने पहले ही कह दिया, 'केस बहुत ही क्रिटिकल है, कोशिश करना हमारा काम है, बाकी तो सब ऊपर वाले के हाथ में है।'

सुबह दस बजे से ऑपरेशन शुरू हुआ, दोपहर तीन बजे खत्म हुआ। ऑपरेशन थिएटर से जैसे ही डॉक्टर साहब बाहर निकले, सारिका के परिजनों ने उन्हें घेर लिया।

'चमत्कार हो गया! अब आपका बच्चा खतरे से बाहर है। पांच-छह घंटे में होश आ जाएगा।' डॉक्टर साहब मुस्कुराते बोले। सभी को यह सुनकर आश्चर्य हो रहा था। ऐसे चमत्कार की आशा किसी को नहीं थी। सारिका को लगा, इस चमत्कार के पीछे उन दोनों बच्चों की दुआएं हैं। उसके सामने दोनों मासूम बच्चों के चेहरे घूम गए। *

हमें किसी को भी छोटा नहीं समझना चाहिए। साथ ही असहाय, निर्बल लोगों के लिए कुछ ऐसा भी करते रहना चाहिए, जो इनके चेहरे पर मुस्कान दे। इनकी दुआएं विपदा के समय किस रूप में हमें फलीभूत हो जाएं, कुछ नहीं कहा जा सकता। सारिका के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। मानवीय संवेदनाओं से भरी दिल को छूने वाली एक कहानी।

मासूम दुआएं

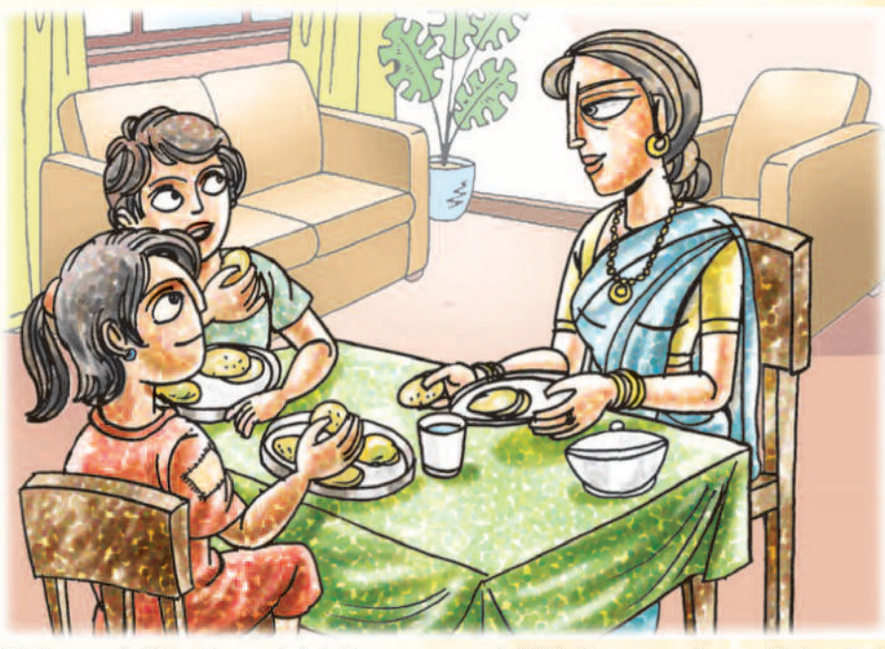

{ नवगीत / माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

मर्यादा अपना लेते तो..

मर्यादा अपना लेते तो
बनते सारे काम
तुम कहलाते प्रिय रामानुज
हम कहलाते राम।
काट लिए होते गर हंसते
हंसते हम वनवास
ना कड़ुवाहट पैदा होती
ना घटता विश्वास
भौतिक सुख-सुविधाओं के हम
मिथ्या रहे गुलाम।
कितना अच्छा होता मिलकर
बांटते शहनाई
अपना राग अलापे हरदम
छोड़कर पहुनाई
नर्क हुआ वो घर जिसमें हम
देखे चारों धाम।
बार-बार जब मन कहता है
करने पश्चाताप
आंखें बोला करती हैं तुम
रहते हो चुपचाप
यही स्वार्थीपन का एक दिन
होता है अंजाम।
चाह बहुत है मन में लेकिन
शेष नहीं है वक्त
बचा हुआ है एकाकीपन
पास नहीं है तख्त
इसीलिए अब अंतर्मन में
रहता है कुहराम।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

श्री शांकरभाष्य-सार

राष्ट्र की एकता-अखंडता के प्रति समर्पित चिंतक, कर्मठ योगी के रूप में प्रतिष्ठित जगदगुरु शंकराचार्य ने सदियों पहले अद्वैतवाद का शंखनाद किया था। केवल 32 वर्ष के अपने अल्प लौकिक जीवन में ही उन्होंने भारतीय धर्म-दर्शन को आलौकिक तेज प्रदान किया। उनके अद्वैत दर्शन समेत भगवत्गीता और उपनिषद, परमज्ञान के अद्वितीय भंडार हैं। इसी अद्वैत दर्शन को प्राथमिकता देते हुए दस उपनिषद भाष्य और गीता भाष्य की विषय वस्तु को सार रूप में एक पुस्तक में संकलित करने का श्रमसाध्य और सराहनीय कार्य इंदिरा मोहन ने किया है। 'श्री शांकरभाष्य सार (उपनिषद् संजीवनी)' पुस्तक में अद्वैत सिद्धांत का संक्षिप्त लेकिन समग्र परिचय देने का प्रयास लेखिका ने किया है। इन ग्रंथों में वर्णित जीव, ब्रह्म, माया, जीवकोश, जीव की अवस्थाएं, आत्मा की अभिन्न स्थिति जैसे अनेक गूढ़ विषयों को सरल ढंग से स्पष्ट करने का प्रयास भी लेखिका ने किया है। कह सकते हैं शंकराचार्य के भाष्य सार को आत्मसात करने का सहज मार्ग, यह पुस्तक उपलब्ध कराती है।

पुस्तक : श्री शांकरभाष्य-सार (उपनिषद् संजीवनी), **लेखिका :** इंदिरा मोहन, **मूल्य :** 650 रुपए, **प्रकाशक :** चौखंभा पब्लिशर्स, नई दिल्ली, वाराणसी *

पुरानी पेंशन बहाली हेतु गांधी प्रतिमा के समक्ष शिक्षक, केन्द्रीय, राज्य कर्मचारी एवं पेंशनर्स ने दिया मौन व्रत धरना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच के तत्वावधान में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर टाउन हाल मैदागिन स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा के समक्ष मौन व्रत धरना दिया` धरना में अधिकारी संघ, केन्द्रीय कर्मचारी समन्वय समिति, नार्दन रेलवे मेंस यूनियन कैण्ट,एन ई आर,बी एल डब्लू, भारतीय डाक तार,रेल डाक सेवा, प्राथमिक, जूनियर, माध्यमिक शिक्षक, शिक्षणोत्तर कर्मचारी, राज्य कर्मचारी महासंघ, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ, सफाई कर्मचारी संघ, आंगनबाड़ी कार्यकत्री कर्मचारी संघ, वाराणसी विकास प्राधिकरण, नगर निगम कर्मचारी संघ,जलकल कर्मचारी संघों के सदस्य एवं पदाधिकारीगण मौजूद रहे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे जो मुंह पर सफेद पट्टी बांधकर मौन ब्रत धारण किए हुए धरना दे रहे थे` धरना में शामिल सभी हाथ में पुरानी पेंशन बहाली से सम्बन्धित लिखित नारों की तख्तियां लिए हुए थे धरना दिये जाने से पूर्व शिक्षक नेता व पूर्व सदस्य विधान परिषद चेत नारायण सिंह व जिला संयोजक शशिकान्त श्रीवास्तव व सुनील कुमार सिंह ने गांधी जी व माता कस्तूरबा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मौन व्रत धारण किया` धरना समाप्ति के पश्चात शिक्षक नेता व पूर्व सदस्य विधान परिषद चेत नारायण सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच द्वारा पुरानी पेंशन बहाली को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर हर माह की 21 तारीख को जनजागरण करते हुए भारत सरकार से मांग करता आ रहा है और ध्यानाकर्षण हेतु रामलीला मैदान पर लाखों की संख्या रैली करते हुए आज हम सत्य एवं अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के शरण में आकर धरना देने जा रहे हैं` धरना कार्यक्रम के संयोजक शशिकान्त श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद एवं सुनील सिंह मण्डल सचिव नार्दन रेलवे मेंस यूनियन ने संयुक्त रूप से कहा कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अब तक शांति पूर्ण ढंग से चल रहे आंदोलन के आखिरी पड़ाव कार्यठप किये जाने की ओर बढ़ रहे हैं इसके लिए सरकारे जिम्मेदार है चाहे वह केन्द्र की सरकार हो या राज्य सरकार` धीरे-धीरे कुछ राज्यों में वहां की सरकारों ने कर्मचारी हितों में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल कर दी है जिसका स्वागत करता परन्तु भारत सरकार ने पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल न करके अपने नियंत्रणकारी संस्थाओं से भविष्य में आर्थिक संकट का हवाला देकर बयानबाजी कराया जा रहा है जो सत्य से परे है और छलावा किया जा रहा है जिसको पूरा कर्मचारी समाज भली-भांति समझ चुका है इसलिए हमारी हड़ताल की तैयारी जोरों से चल रही है जो संगठनों द्वारा कर्मचारी समाज पर जबरदस्ती नहीं थोपा जा रहा है स्वेच्छा से उनके द्वारा सहमति पत्र प्राप्त हो रहें हैं जिसपर अगले महीने नवम्बर में किसी भी दिन हड़ताल की घोषणा राष्ट्रीय स्तर पर की जा सकती है` मौन व्रत धरना में चेत नारायण सिंह, शशिकान्त श्रीवास्तव, शैलेन्द्र विक्रम सिंह,सोनचन्द वाल्मीकि, सुभाष शाह, सुरेन्द्र पाण्डेय, अशोक कुमार श्रीवास्तव, इंजीनियर अखिलेश चौहान, मनीष चौबे, मनोज चौहान, पवन चौहान,वेद प्रकाश सिंह, धन्नजय मिश्रा, अरविन्द दूबे, दीपक श्रीवास्तव, गीता उपाध्याय,गौतम बरुआ, रविन्द्र यादव, हरेंद्र यादव,अवध नारायण पाण्डेय, महेश श्रीवास्तव , अतुल सिंह, यशोवर्धन त्रिपाठी, डा राजेश्वर सिंह, नवीन दूबे, काशी नाथ मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी जनपद के तीन अंतराष्ट्रीय बास्केटबाल खिलाड़ी नेशनल गेम्स गोवा में प्रतिभाग करेंगे

प्रखर वाराणसी। भारतीय बास्केटबॉल टीम के कप्तान तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता विशेष भृगुवंशी, अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी अर्जुन सिंह तथा अंतराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी अभिषेक राय दिल्ली की तरफ से नेशनल गेम्स गोवा में प्रतिभाग करेंगे। तीनों ही खिलाड़ी ओएनजीसी में कार्यरत है। तीनों खिलाड़ी उदय प्रताप कॉलेज के बास्केटबॉल कोर्ट से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है।

सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य पहुंचे काशी

प्रखर वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने किया स्वागत। प्रमुख रूप से नागेंद्र रघुवंशी पूनम मौर्या मधुकर किशोर पांडे जितेंद्र लालवानी मनीष मौर्य प्रोटोकॉल प्रभारी भाजपा उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र शैलेश पाण्डेय उपस्थित थे।

सर्पदंश से किशोर की मौत

प्रखर पूर्वांचल घघसरा, पाली। सहजनवां थाना के बाहिलपार निवासी रामकेश चौहान के 12 वर्षीय पुत्र आर्यन चौहान की मृत्यु सांप काटने से हो गयी है।वह धान की खेत देखने गया था।सांप काट लिया ।हालात बिगड़ते देख वह अपने माता-पिता से सांप काटने की बात बताई। स्वजन जिला अस्पताल गोरखपुर ले गए जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा दिया गया । उक्त संदर्भ में थाना प्रभारी सहजनवा इत्यानंद पांडेय ने कहा कि सूचना पाकर पुलिस मौके पर गई थी।

एसपी के द्वारा मूर्तियों के विसर्जन हेतु घाट का भ्रमण कर जायजा लेते हुए संबंधित को दिये गये आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता द्वारा थाना दुधारा क्षेत्र अंतर्गत कठिनईया नदी पुल के पास मूर्तियों के विसर्जन स्थल के रास्तों व घाट का भ्रमण तथा निरीक्षण कर जायजा लिया गया । मूर्ति विसर्जन के रास्तों पर पड़ने वाले बिजली के तारों पर विशेष रुप से ध्यान देने व गड्ढों आदि को सही करने के निर्देश दिये गये । घाट का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य आदि को समय से दुरुस्त करवाने, घाट पर जलधारा की निर्धारित सीमा में बैरिकेटिंग करने, घाटों पर नाव स्टीमर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित समस्त आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये गये । इस दौरान क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद दीपाँशी राठौर, प्रभारी निरीक्षक थाना दुधारा चन्दन कुमार सहित अन्य अधिकारी तथा सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

ग्रामीण क्षेत्र के पूजा पंडालों में सप्तमी को भक्तों की उमड़ी भीड़

प्रखर पिंडरा वाराणसी। दुर्गा पूजा के नौ दिवसीय अनुष्ठान पर्व शारदीय नवरात्र के अष्टमी तिथि में क्षेत्र के सभी मां दुर्गा के पंडालों में भीड़ दिखी। इस अवसर पर पिंडरा क्षेत्र में सभी देवी मंदिरों तथा दुर्गा पंडालों में ब्राह्मणों द्वारा विधि विधान से मंत्र उच्चार के साथ हवन पूजन हुए और इसके पश्चात माता को भोग लगाकर भंडारे का आयोजन किया गया। क्षेत्र के मां दुर्गा पूजा समिति की ओर से भव्य पूजा पंडाल लगाया गया जहां सुंदर रंग बिरंगी लाइट व पंडाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना है।शक्ति की देवी को आराधना के लिए श्रद्धालु दिन रात जुटे हुए हैं। क्षेत्र के पिंडरा, फूलपुर, कठिराव, कुआर, जमापुर, रामपुर, ओदार, सिंधोरा, गरथमा मंगारी समेत अनेक गांवों में स्थापित पंडालो में हवन-पूजन हुए।

पीजी कॉलेज धरना अनवरत जारी, विजयादशमी को होगा प्राचार्य का पुतला दहन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पीजी कॉलेज के प्रांगण में छात्रों ने ग्यारहवें दिन रविवार को भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने कहा कि महाविद्यालय द्वारा छात्रहित में उठाये गये मुद्दों कि उपेक्षा करने पर छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और सभी छात्रों ने मिलकर चेतावनी दी है कि यथा शीघ्र मांग पूरी न होने पर विजयादशमी के दिन जैसे रावण का अहंकार व तानाशाही का दहन हुआ था ठीक वैसे ही महाविद्यालय प्रबंधक व प्राचार्य का पुतला फूंक कर यहां छात्रों पर हो रहे अत्याचार व तानाशाही का दहन कर विरोध दर्ज कराया जाएगा। छात्र नेता निलेश बिन्द ने कहा कि छात्रों से लाइब्रेरी शुल्क लिया जाता है, लेकिन तीन साल हो गए नई शिक्षा नीति कि एक भी किताब महाविद्यालय द्वारा नहीं खरीदी गई है जिससे छात्रों को पठन पाठन

करने में समस्या हो रही तो वही लाइब्रेरी का छात्रों को लाभ नहीं मिल पा रहा है जिसे छात्र बर्दाश्त नहीं करेंगे।

छात्रों कि प्रमुख मांग मुख्य रूप से छात्र संघ चुनाव कराने, प्राचार्य के महाविद्यालय में समय से आने कि मांग, टीसी चरित्र शुल्क कम करने कि मांग, बीपीई प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर प्रवेश लेने, अवैध वसूली बंद करनें, बीपीई का रिजल्ट जारी करने कि मांग, फीस वृद्धि वापस लेंने, पुस्तकालय में नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत पुस्तकें उपलब्ध कराने, कालेज कि वेबसाइट पर सभी सूचना और नई फीस विवरण उपलब्ध कराने, कालेज के कैमरों को ठीक करने के साथ ही महाविद्यालय के गलियारों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, साइकिल स्टैंड फीस कम करने, कालेज कि वेबसाइट को सरल करने, कालेज की वेबसाइट पर शिकायत पोर्टल उपलब्ध कराने के साथ ही महाविद्यालय में आफलाइन शिकायत काउन्टर बनाने, स्नातक द्वितीय,तृतीय स्नातकोत्तर द्वितीय में प्रवेश फार्म शुल्क निशुल्क करने, आरो वाटर मशीन लगाने कि मांग, महाविद्यालय में पठन-पाठन का माहौल बनायें तथा सभी शिक्षक व कर्मचारी समय से आने व विभाग खोलने सहित आदि मांग है। धरना में शामिल छात्र नेता आकाश कुमार चौधरी, निलेश बिन्द, आलोक राय, अमृतांश बिन्द, प्रिंस प्रजापति, सुजीत यादव, अनूप यादव, अविनिश यादव, सुधांशु, मयंक आदि छात्र मौजूद रहे।

युवा समाज सेवी सुजीत वर्मा व ग्रामीणों के शिकायत व मांग पर नल का निर्माण का कार्य शुरू

प्रखर खुटहन जौनपुर। मुख्यालय से 25 किलोमीटर पर स्थित खुटहन ब्लॉक के अंतर्गत इमामपुर गांव नल का निर्माण कराने के लिए इमामपुर के युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों द्वारा विकास खंड अधिकारी खुटहन व जिला विकास अधिकारी, जिलाधिकारी जी से मिलकर इमामपुर में रोड से नाला का निर्माण करने के लिए मांग किया था उपरोक्त अधिकारी ने और भरोसा दिया था कि नाला का निर्माण जल्द कराया जाएगा। कुछ दिन पहले विकास खंड अधिकारी गौरवेंद्र सिंह ने एडीओ पंचायत के नेतृत्व में टीम भेज कर मौके का निरीक्षण कराया था निरीक्षण में संबंधित अधिकारी ने बताया कि यह नाला का सफाई नहीं कराया जायेगा बल्कि नाला

निर्माण जल्द कराया जाएगा किसका कार्य योजना में नाला संबंधित कार्य पास कराया जा रहा है जो नाला निर्माण संबंधित अधिकारी व सचिव व प्रधान के प्रयास से चल रहा है सचिव संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि सुजीत वर्मा आदि की शिकायत पर यस एल डब्ल्यू एम निधि द्वारा नाला का निर्माण कराया जा रहा है जो तालाब रामदासु के घर से मेन रोड होते हुए पुलिया नाला तक लगभग 165 मीटर नाला का निर्माण होगा। नाला निर्माण शुरू होने पर ग्रामीण रितेश अग्रहरि, शैलेंद्र अग्रहरि, मंगल तिवारी, धर्मेंद्र अग्रहरी, राजकुमार विश्वकर्मा, अविरल सिंह, प्रदीप प्रजापति ,गोविंदा गौतम, संदीप सोनी, गुड्डू सोनी आदि ने खुशी जाहिर की।

हथियाराम मठ पर बुढ़िया माई के दर्शन के लिए लगी कतार, जयघोष से गूंजा पूरा क्षेत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आदिशक्ति मां जगतजननी जगदम्बा का महापर्व नवरात्रि का पूरे जनपद में परम्परागत तरीके से श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जा रहा है। एक सप्ताह से पूरा जनपद मां जगदंबा के पूजन और में भक्ति भाव से लगा हुआ है। सैकड़ो स्थान पर मां दुर्गा के विभिन्न रूपों को प्रदर्शित करती हुई प्रतिमा भव्य पूजा पंडालों की शोभा बढ़ा रही हैं। भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बनकर गुंजायमान हो रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों के साथ ही साथ ग्रामीण अंचल में देवी मंदिरों तथा पूजा पंडालों में मां के प्रतिमाएं का पूजन अर्चन क्षेत्रीय श्रद्धालुओं द्वारा जोर-शोर से चालू है।

सनातनी धर्मावलंबियों का तीर्थ विख्यात सिद्धपीठ हथियाराम मठ में सिद्धपीठ के 26वें पीठाधिपति एवं जूना अखाड़ा के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानी नन्दन यति महाराज के संरक्षकत्व में चल रहे नवरात्र महोत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। उल्लेखनीय है कि सिद्धपीठ की अधिष्ठात्री देवी मृणमयी वृद्धम्बिका देवी (बुढ़िया माई) के प्रकाश से समूचा अध्यात्म जगत प्रकाशमान है। श्रद्धालुओं द्वारा मठ की अधिष्ठात्री देवी बुढ़िया माता और मां सिद्धिदात्री के दरबार में शीश झुकाकर पूजन अर्चन किया जा रहा है। पूजनोत्सव के क्रम में श्रद्धालुओं द्वारा पीठाधीश्वर महाराज श्री के श्रीचरणों में श्रद्धानवत होकर आशीर्वाद प्राप्त किया जा रहा है। महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति ने शिष्य श्रद्धालुओं के बीच प्रवचन करते हुए कहा कि नवरात्रि में की जाने वाली पूजा, उपासना व सत्कर्म से मानव जीवन का आधार निर्मित होता है। देवी माता के उपासना के विशेष काल नवरात्र में भक्तों पर देवी माता

की कृपा बरसती है। समाज की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जहां नीति से अदालत चलती है वहीं नीयत से परिवार व समाज चलते हैं। ऐसे में स्वस्थ समाज की स्थापना में हम सभी के नीयत काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं जो सिद्धपीठ के परंपरागत गुरु शिष्य परंपरा से जुड़े हुए हैं।

माफिया सुधीर सिंह की लगभग 100 करोड़ 5 लाख रूपए की सम्पत्ति हुई जब्त

प्रखर पुर्वांचल गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने एवं गैंगस्टर एक्ट के अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक उत्तरी गोरखपुर के मार्गदर्शन में, श्रीमान् जिलाधिकारी गोरखपुर के आदेश के क्रम में 1. मु0अ0सं0 109/2009 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर, 2. मु0अ0सं0 1265/2010 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर, 3. मु0अ0सं0 1123/2011 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना कैंट जनपद गोरखपुर, 4. मु0अ0सं0 1047/2017 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना कैंट जनपद गोरखपुर से संबंधित अभियुक्त सुधीर सिंह पुत्र स्व0 सुरेंद्र सिंह निवासी कालेसर थाना गीडा जनपद गोरखपुर द्वारा अपराध के माध्यम से अर्जित धन से अपने

व अपने परिजनों के नाम से अवैध संपत्ति करीब 81.5 डिसमिल जमीन को राजस्व टीम नायब तहसीलदार सहजनवा के द्वारा क्षेत्राधिकार कैम्पियरगंज रत्नेश्वर सिंह व थानाध्यक्ष गीडा रतन कुमार पाण्डेय की मौजूदगी में उ0प्र0 गिरोह बन्द समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधि0 1986 की धारा 14(1) के अन्तर्गत जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी । जब्त की गयी सम्पत्ति की अनुमानित कीमत कुल लगभग 100 करोड़ 05 लाख रूपए है । अभियुक्त के विरूद्ध कार्यवाही प्रचलित है ।

जब्त की गयी सम्पत्ति का विवरण-

1. माफिया अभियुक्त सुधीर सिंह पुत्र सुरेन्दर सिंह निवासी कालेसर थाना गीडा जनपद गोरखपुर की जमीन करीब -21 डिसमिल

2. माफिया अभियुक्त सुधीर सिंह की पत्नी श्रीमती पुनम सिंह की जमीन करीब 44.5 डिसमिल

3. भाई स्व0 उदयवीर सिंह पुत्र स्व० सुरेन्दर सिंह की जमीन करीब 18 डिसमिल

पुलिस आयुक्त अशोक मुथा जैन द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश थीम पर रामनगर थाना क्षेत्राअंतर्गत में चौपाल का किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। पुलिस आयुक्त अशोक मुथा जैन द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश थीम पर रामनगर थाना क्षेत्राअंतर्गत में चौपाल का किया गया आयोजन चौपाल में क्षेत्र की हजारों की संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, आशा कार्यकत्रियों, आशा किरण, पंचायत मित्र, ग्राम प्रधान, बीसी सखी, अध्यापिका, चिकित्सक व सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य महिलाओं द्वारा किया गया प्रतिभाग। मा0 मुख्यमन्त्री उ0प्र0 सरकार द्वारा शारदीय नवरात्रि / दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर महिलाओं/ बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-04) के तहत पुलिस आयुक्त श्री अशोक मुथा जैन द्वारा थाना रामनगर क्षेत्र में सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश की थीम पर महिलाओं, बेटियों, छात्राओं को लैंगिक समानता स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वालम्बन की दिशा में सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनने हेतु चौपाल का

आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की हजारों की संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, आशा कार्यकत्रियों, आशा किरण, पंचायत मित्र, ग्राम प्रधान व सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य महिलाओं/ बालिकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। महोदय द्वारा बताया गया कि पुलिस/प्रशासन जनपद में मिशन शक्ति के विशेष अभियान- फेज-04 के तहत महिलाओं की सुरक्षा सम्मान, उत्थान व उनके सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध है। पुलिस आयुक्त द्वारा मिशन शक्ति अभियान सहित महिलाओं/ बालिकाओं को लैंगिक समानता/हिंसा की रोकथाम, बाल श्रम उन्मूलन, बाल विवाह के रोकथाम, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं सहित महिला संबंधी अपराधों के प्रति लोगों को जागरुक किया गया। अधिकारीद्वय द्वारा लैंगिक समानता के सम्बन्ध में जागरूक करते हुए महिलाओं को उनके अधिकारो के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया गया कि लैंगिक समानता का अर्थ राजनीतिक, आर्थिक, शिक्षा व स्वास्थ्य आदि पहलुओं में पुरूषों और महिलाओं दोनो को समान अवसर प्रदान करने के परिपेक्ष्य में है । हमारे संविधान द्वारा भी लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए अनेक सकारात्मक कदम उठाए हैं, जिसमें हर किसी के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय प्राप्त करने के लक्ष्यों के साथ अपने सभी नागरिकों के लिए सभी स्तर की समानता और अवसर के साथ-साथ महिलाओं के लिए बहुत से संवैधानिक सुरक्षात्मक उपाय बनाये गये हैं । शासन द्वारा भी महिलाओं के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वन स्टाप सेंटर योजना, मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग कॉरस्पोडेंट सखी, मुख्यमत्री सामुहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का प्रयास किया जा रहा है । महोदय द्वारा महिलाओं / बालिकाओं को प्रेरित करते हुए सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, विज्ञान, खेल आदि क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने व कार्य करने के लिये प्रेरित किया गया।

प्राथमिक विद्यालय जमापुर के बच्चों ने रामनगर का किया शैक्षणिक भ्रमण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। शैक्षणिक भ्रमण के तहत पिंडरा विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय जमापुर के दर्जनो छात्र छात्राओं ने रामनगर व दीनदयाल उपाध्याय स्मारक स्थल का भ्रमण उनके ऐतिहासिक महत्व को जाना। 80 छात्र छात्राओं का समूह सुबह 8 बजे बस से विद्यालय परिसर से रवाना हुआ जो सुबह 10 बजे रामनगर किला पहुचा। किला पहुचने पर बेसिक शिक्षा परिषद के दर्जनो छात्र छात्राओं का पीएसी के जवानों ने स्वागत किया और कहाकि बच्चो को ऐतिहासिक स्थल के बाबत जानकारी देकर उनको योग्य बनाना एक अच्छा प्रयास है। उसके बाद उनका समूह भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री रहे लालबहादुर शास्त्री के आवास पहुचा जहाँ बच्चों ने उनके बारे में जानकरी ली वही शास्त्री स्मारक स्थल के मुख्य अधिकारी ने बच्चों को लालबहादुर शास्त्री के अविस्मरणीय व उनके सादगी के बाबत जानकारी दी। उसके बाद बच्चो का समूह गंगाघाट, रामनगर स्थित मां दुर्गा मंदिर व पड़ाव स्थित

दीनदयाल उपाध्याय स्मारक स्थल का भ्रमण किया। बच्चों ने इस दौरान शिक्षको से रामनगर किला और गंगाघाट के बाद जानकारी ली। देर शाम उनका दल वापस लौटा। इस दौरान प्रधानाध्यापक विनोद कश्यप, संजय गुप्ता, अरविंद वर्मा, तेजबहादुर, सरिता देवी, डॉ मनोज सिंह, रागिनी सिंह व रीता देवी रही।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं